डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 149 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 14 मार्च 2025 | मूल्य 2 रुपया

दलौदा कॉलेज को मिली बड़ी सौगात, परीक्षा सेंटर स्वीकृत

जनभागीदारी अध्यक्ष धनोतिया ने माना आभार

दलौदा, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नगर के स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय दलौदा को पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया के भागीरथी प्रयासों से विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन की वार्षिक परीक्षाओं का परीक्षा केंद्र बनाया गया। जिससे महाविद्यालय में अध्ययनरत ग्रामीण अंचल के 1400 से अधिक विद्यार्थियो को अब 20 किलोमीटर दूर मंदसौर महाविद्यालय में परीक्षा देने नहीं जाना पड़ेगा। दलौदा महाविद्यालय में करीब 40 से 50 किलोमीटर दूर से सफर कर छात्र-छात्राएं अध्ययन के लिए आते है। उनको परीक्षा देने के लिए लंबी दूरी तय कर मंदसौर जाना पड़ता था। जिससे कि छात्र छात्राओं को परेशानियों का सामना करना पड़ता था।

छात्र-छात्राओं की समस्या को ध्यान में रखते हुए दलौदा महाविद्यालय में ही परीक्षा केंद्र हो, इसको लेकर विगत दिनों स्थानीय प्रबंध समिति अध्यक्ष हेमंत धनोतिया पूर्व विधायक श्री सिसौदिया से मिले ओर दलौदा में परीक्षा केंद्र खोलने को लेकर आग्रह किया। इस पर श्री सिसोदिया द्वारा तत्काल मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव तथा उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार को भी उक्त स्थिति से अवगत कराते हुए परीक्षा केन्द्र संबंधी बाधाओं को दूर करवाने का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में दलौदा महाविद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण वर्तमान मुख्यमंत्री, तत्कालीन उच्च शिक्षा मंत्री श्री मोहन यादव द्वारा किया गया था। पूर्व विधायक श्री सिसोदिया द्वारा उच्चाधिकारियों को न सिर्फ परीक्षा केंद्र खोले जाने के संबंध निर्देश दिए। बल्कि महाविद्यालय में बैठक व्यवस्था हेतु फर्नीचर के लिए भी अग्रणी महाविद्यालय को आग्रह किया।

दलौदा नगर का महाविद्यालय में दूर दराज ग्रामीण अंचल के विद्यार्थी विभिन्न संकायों में अध्ययनरत है। जिसमें से 60 प्रतिशत छात्राएं है। दलौदा महाविद्यालय को परीक्षा केंद्र की स्वीकृति मिलने पर स्थानीय प्रबंध समिति अध्यक्ष हेमंत धनोतिया ने परीक्षा केंद्र स्वीकृत करवाने पर मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव, उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदरसिंह परमार एवं पूर्व विधायक प्रदेश भाजपा प्रवक्ता श्री यशपाल सिंह सिसोदिया, विक्रम विश्व विद्यालय कुल सचिव अर्पण भारद्वाज एवं परीक्षा कंट्रोलर श्री एमएल जैन का आभार माना।

लापरवाही बिगाड़ रही रुपया...!

18 करोड़ में बनने वाला ब्रिज बनेगा 33 करोड़ में

जबरदस्ती करोड़ों रुपए ज्यादा हो रहे खर्च, समय के साथ बढ़ रही काम की लागत

मंदसौर, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। लापरवाही और उदासीनता से जनता की गाढ़ी कमाई के रुपये बर्बाद हो रहे है। मामला है विकास और निर्माण कार्यो का। समय के साथ लागत बढ़ रही है। कई योजानाओं पर काम तो हो रहा है। लेकिन, चार-पांच साल या ज्यादा समय निकलने के बाद लागत में करोड़ो रूपए का इजाफा हो रहा है। इसका जीता जागता उदाहरण है मल्हारगढ़का ओवर ब्रिज। वित्तमंत्री और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के क्षेत्र का यह ओवर ब्रिज 2018 में ही लगभग स्वीकृति की स्थिति में था। उस समय जहां 18 करोड़ रुपए खर्च हो रहे थे, वहीं आज ब्रिज की लागत 33 करोड़ रूपए पहुंच चुकी है।

यह सिर्फ एक उदाहरण है। ऐसे शहर हो या जिले के अन्य क्षेत्र, कई योजनाएं और निर्माण कार्य है। नपा कॉलोनी में कॉम्प्लेक्स, युवराज क्लब में होने वाले निर्माण कार्य, मेघदूत नगर का ऑडिटेरियम, तैलिया तालाब पर होने वाले काम, शिवना शुद्धिकरण जैसे कई उदाहरण है, जिन पर काम होना है। लेकिन, समय के साथ लागत आसमान पर पहुंच गई है।

आसानी से मिल सकती थी स्वीकृति...

मल्हारगढ़ नगर में 33 करोड़ रुपए की लागत से फ्लाईओवर ब्रिज बनेगा। जिसे मप्र सरकार ने बजट में स्वीकृति दी। महत्वपूर्ण बात यह है कि पूर्व में ब्लैक स्पॉट चिन्हित होने पर शासन ने 2018 में अनुपूरक बजट में फ्लायओवर स्वीकृत किया था। इस पर सेतु विकास विभाग ने अप्रैल 2018 में 20 करोड का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेज दिया। विभाग के जानकारों के अनुसार तो बजट में अंकित होने के बाद स्वीकृति में देरी नहीं होना चाहिए थी। क्षेत्रीय कार्यालय प्रोजेक्ट का प्रस्ताव तैयार कर ईई को भेजता है, जो चीफ इंजीनियर व इंजीनियरिंग चीफ तक जाती है। यहां से प्रस्ताव को स्वीकृति मिलने में अधिकतम दो से तीन माह का समय लग सकता है। इसके अलावा मामला वित्तमंत्री के क्षेत्र का हो तो कहीं भी दिक्कत आने की संभावना ही नहीं है। हालांकि ब्रिज को स्वीकृति के लिए सात साल का इंतजार करना पड़ा। इससे लागत बढ़ गई।

यहां 50 के हो गए 66 करोड़...

2012 में नपा कॉलोनी को कॉप्लेक्स में बदलने का सपना देखा गया। योजना तैयार की गई। डीपीआर वगैरह सभी काम किए गए। लेकिन, काम शुरु नहीं हुआ। नपा की लेटलतीफी के कारण 50 करोड का प्रोजेक्ट 66 करोड़ का हो गया है। बावजूद इसके अब तक डीपीआर को अभी भी मंजूरी नहीं मिली है। मतलब यहां भी करोड़ों रुपए देरी के कारण बर्बाद होना तय है।

यहां 23 साल हो गए सपने को...

बालागंज स्कूल परिसर कालाखेत मैदान में मिनी स्टेडियम की कार्ययोजना 2002 से बन रही है। तीन बार निर्माण एजेंसी भी बदली जा चुकी है। बावजूद अभी तक निर्माण के नाम पर बाउंड्रीवाल के अलावा यहां कुछ नहीं हुआ। अभी तक चार बार योजना बदल-बदलकर भोपाल तक पहुंची है। सबसे पहले गृह निर्माण मंडल को इसे बनाने का जिम्मा सौंपा। पर्याप्त राशि नहीं मिलने से मंडल ने छोड़ा तो शिक्षा विभाग ने कुछ कोशिश की। वह विफल रहा तो फिर 2008 में कैबिनेट ने नपा को एजेंसी तय की। नपा ने पहले पीपीपी मोड में प्रोजेक्ट ले जाने का प्रयास किया। किसी ने रुचि नहीं दिखाई तो नपा ने लगभग 5.25 करोड़ का स्टीमेट तैयार कर शासन को भेजा। तब से फाइल रुकी हुई है। इस दौरान मामला विस में भी उठा। जहां लागत पांच करोड़ थी, अब वह बढ़ गई

उत्साह से हुआ होलिका दहन, रंगों का पर्व धुलेंडी आज

मंदसौर 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। रंगों के त्योहार की शुरुआत गुरुवार से हो गई। वैसे फाग महोत्सव के रूप में पिछले करीब 25 दिनों से होली का त्यौहार मनाना शुरु कर दिया गया था। श्री गोवर्धननाथ मंदिर हवेली में प्रतिदिन भक्त रंगों से सराबोर हो रहे थे। इसके अलावा विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं द्वारा भी फाग महोत्सव आयोजित किए जा रहे थे। लेकिन, होलिका दहन के साथ इस त्योहार की रंगत और बढ़ गई है।

शहर सहित अंचल में 1500 से अधिक स्थानों पर होलिका दहन किया गया। रात्री 11.30 बजे से शुभ मुर्हूत में अनेक जगहों पर चौराहों से लेकर मोहल्लों व कॉलोनियों से लेकर अन्य स्थानों पर होलिका दहन किया गया। एक और जहां होली की तैयारियों में आम लोग लगे हुए है तो दूसरी और प्रशासन व पुलिस का अमला भी जिलेभर में सतत निगाह रखने के लिए हर जगह पर तैनात रहा। होलिका दहन से पूर्व शहर में कलेक्टर अदिती गर्ग, पुलिस कप्तान अभिषेक आनंद, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गौतम सौलंकी की अगुवाई मे फ्लेग मार्च निकाला गया। आज धुलेडी के अवसर पर सुबह से ही बच्चों व युवाओं में रंगों का उत्साह रहेगा। विभिन्न समाजों में भी रंगारंग गैर और फाग यात्राओं का आयोजन होगा। दिनभर रंगों के बाद शाम को विभिन्न समाजों द्वारा ढूंढ महोत्सव के आयोजन होंगे। जिसमें इस वर्ष जन्में बच्चों का स्वागत होगा।

गोर्वधननाथ मंदिर में आज होगा होलिका दहन...

सेठ ईलाजी नाथूराम ट्रस्ट के तत्वाधान में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी होली का पर्व उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाएगा। गोवर्धननाथ मंदिर जीवगंज व गणपति चौक में होली का दहन 14 मार्च शुक्रवार को प्रात: 6.30 पर विधि विधान के साथ किया जाएगा। तत्पश्चात धुलेंडी पर्व आरंभ हो जाएगा।

उल्लेखनीय है कि जीवागंज में गोवर्धन नाथ मंदिर पर एक माह तक भगवान और भक्त होली खेलते है। यहां पर भी आज शुक्रवार सुबह शुभ मुहुर्त 6.30 पर होलिका दहन होगा। उसके बाद गणपति चौक में दहन होगा। तत्पश्चात गोवर्धननाथ मंदिर में सुबह 7 बजे से मंगला दर्शन होंगे तथा 10.30 बजे से मंदिर में भक्त भगवान के संग होली खेलेंगे। सुबह 10.30 बजे, 11.30 बजे, 12.30 बजे और दोपहर 1.30 बजे ठाकुरजी के दर्शन खुलेंगे, इस दौरान भक्त भगवान के संग होली खेलेंगे।

सराफा व्यापारी के घर दिनदहाड़े चोरी

बदमाश ने 05 किलो चांदी और 50 हजार नकदी चुराए, ताला तोड़ घर में घुसा था चोर

नीमच, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। शहर में एक सराफा व्यापारी के घर में दिन दहाड़े चोरी की वारदात का वीडियो सामने आया है। बदमाश घर में घुसकर 05 किलो चांदी और 50 ग्राम सोने के आभूषण चोरी कर फरार हो गया। इसके अलावा 50 हजार कैश भी साथ ले गया। चोरी की वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना कैंट थाना क्षेत्र की टीचर कॉलोनी में 10 मार्च दोपहर को हुई। जिसका वीडियो अब वायरल हुआ। पुलिस ने व्यापारी की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

दरअसल बीती 10 मार्च को सराफा व्यापारी सुनील सोनी की पत्नी चंदा सोनी निवासी टीचर कॉलोनी दोपहर 03 बजे घर में ताला लगाकर मंदिर गई थीं। शाम करीब 6 बजे जब वह घर वापस आई, तो घर का ताला टूटा हुआ था। कमरे में सारा सामान बिखरा पाया। लॉकर में रखे करीब 5 किलो चांदी और 50 ग्राम सोने के आभूषण गायब थे। चोर 50 हजार रुपए नकदी भी अपने साथ ले गए।घटना की सूचना पत्नी चंदा ने तत्काल पति सुनील और बेटे रजनीश को दी। जिसके बात पिता और बेटे ने कैंट थाने में पहुंचकर प्रकरण दर्ज करवाया। सीसीटीवी में एक संदिग्ध व्यक्ति वारदात को अंजाम देते हुए कैद हुआ है। पुलिस आरोपी की पता लगाने में जुटी है।

व्यापारी के साथ मारपीट करने वाले पांच लोगों को तहसीलदार ने भेजा जैल

सुवासरा, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नगर में बिल्डिंग मटेरियल व्यापारी के साथ हुई मारपीट मामले में पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध शांति भंग वाली धारा लगाकर बुधवार को पांच लोगों को तहसीलदार के न्यायालय में पेश किया। जहां से तहसीलदार ने सभी को जैल भेज दिया।

पांच आरोपियों में विजय पिता श्यामलाल, शिवनारायण पिता श्यामलाल, विनोद पिता प्रभुलाल, अंकित पिता दिनेश माली, दुर्गेश पिता कांतिलाल माली है। व्यापारी रोहित मांदलिया, महेश मांदलिया के साथ इन आरोपियो ने दुकान में घुसकर हॉकी और लट्ठ से मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी थी। व्यापारी के अनुसार 10 से 12 लोगो ने अचानक दुकान में घुसकर मारपीट की और रूपयो से भरा बैग ले गये थे। फरियादी व्यापारी पुलिस की कार्यवाही से संतुष्टनहीं है। व्यापारी के अनुसार बलवा की धारा में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज होना चाहिए था। लेकिन, पुलिस ने केवल मारपीट का प्रकरण दर्ज कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया। व्यापारियों में पुलिस की इस कार्यवाही से आक्रोश है।

455 आदतन बदमाशों को पुलिस ने किया बाउंड ओव्हर

मंदसौर, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। होली के त्यौहार को देखते हुए पुलिस सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तरह से चाक चौबंद है। जिले में किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति ना बनें इसकों लेकर पुलिस ने 455 आदतन अपराधियों पर बाउंड ओवर की कार्यवाही की हैं। सभी को चेताया और कहा कि वे किसी भी प्रकार से शांति भंग करने वाली गतिविधियों में सम्मिलित ना हो। पुलिस ने बताया कि आदतन अपराधी जो वर्तमान में आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय है, उन्हें चिन्हित कर जिला बदर, अतिम बाउंड ओवर की कार्यवाहियां की गई है। बाउंड ओवर कराये गये अपराधियों जिनकी बाउंड ओवर की अवधि वर्तमान में प्रभावशील है, जिले के कुल 455 आदतन अपराधियों को सूचना पत्र तामील करवाकर किसी भी प्रकार की शांतिभंग करने का प्रयास नही करने के संबंध में सूचित किया गया है। कार्यपालिक मजिस्ट्रेट द्वारा बाउंड ओवर किये गये अपराधियों द्वारा आगामी त्योंहारों के दौरान यदि बाउंड ओवर आदेश का उल्लंघन किया गया तो उनके विरूद्ध धारा 141 बीएनएसएस के अंतर्गत वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। इसलिये सभी आदतन अपराधियों को बाउंड ओवर समाप्ती तक किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों में संलग्न नही होने एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु अवगत कराया गया।

कार पलटी, तीन की मौत

मंदसौर, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। बुधवार शाम दिल्ली- मुंबई एक्सप्रेसवे में शामगढ तहसील क्षेत्र के मेलखेड़ा एवं बरडिया पुना के बीच एक कार अनियंत्रित होकर 08 लाइन से नीचे उतर गई। जिसमें 3 लोगों की मौत की जानकारी सामने आई है। चार पहिया वाहन हरियाणा का है, वहीं मृतक दिल्ली तरफ के बताए जा रहे हैं। शामगढ पुलिस मौके पर पहुंची है। मृतकों के नाम कंवरलाल, रोशन, सुरेंद्र बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह शाम को 07 बजे की घटना है। परिजनों की गाड़ी में सवार लोगों से बातचीत भी हुई थी। लेकिन, मंदसौर जिले में एंट्री के बाद परिजनों का मोबाइल से कोई संपर्क नहीं हो पा रहा था। मंदसौर कंट्रोल रूम पर सूचित किया गया। गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त होकर सड़क से नीचे उतर गई थी। यह सभी लोग पुणे से दिल्ली जा रहे थे। लोकेशन पुलिस द्वारा सर्च की गई तो दुर्घटना की जानकारी सामने आई।

बदनावर सड़क हादसे में मंदसौर के तीन युवकों सहित आठ की मौत, दो घायल

गैस टैंकर ने पिकअप और कार को टक्कर मारी, कार सवार चारों युवकों की मौत

मंदसौर, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर बुधवार रात 11 बजे तीन वाहनों गैस टैंकर, कार और पिकअप वैन के बीच हुई भीषण टक्कर में मरने वालों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। हादसे में कार सवार एयू बैंक के एरिया मैनेजर सहित चार कर्मचारियों ने दम तोड़ा। इसमें तीन कर्मचारी मंदसौर और एक कर्मचारी रतलाम का था। वहीं पिकअप वैन में सवार चार लोगों की भी दर्दनाक मौत हो गई। पिकअप वेन में सवार एक गंभीर घायल है और टैंकर चालक भी घायल है। उसका उपचार जारी है। गुरुवार को धार के पुलिस कप्तान मनोज कुमार सिंह ने अधिकारियों के साथ दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्र का दौरा किया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कुछ लोग कार और पिकअप में फंस गए थे। उन्हें क्रेन की मदद से निकाला जा सका। इधर रात में घटना की जानकारी लगते ही बदनावर एसडीओपी अरविंद सिंह तोमर और बदनावर थाना प्रभारी अमित सिंह कुशवाह मौके पर पहुंचे। पुलिस द्वारा शवों को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा। बताया जा रहा है कि टैंकर ने पहले पिकअप फिर कार को टक्कर मारी थी।

पिकअप सवार चार तो कार सवार 04 की मौत...

जानकारी के मुताबिक, रात करीब 11 बजे इंडेन गैस टैंकर क्रमांक जीजे 34 ए 8769 उज्जैन जा रहा था। बदनावर-उज्जैन बायपास पर टैंकर रांग साइड से आ रहा था। इसी दौरान टैंकर ने पहले बदनावर की ओर जा रहे पिकअप को टक्कर मारी। फिर उसके पीछे से आ रही कार क्रमांक एमपी 14 सीडी 2552 कार को भी टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि पिकअप वाहन टैंकर के नीचे घुस गया। पिकअप में पांच लोग सवार थे, जिनमें से तीन की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दो घायल का नाजुक हालत में अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं, पीछे कार में पांच लोग सवार थे, जिनमें से 4 की मौत हो गई, जबकि 1 घायल है। इसके अलावा एक और अन्य घायल की मौत के खबर है। मतलब हादसे में कुल आठ की जान गई है।

इनकी हुई मौत, यह हुए घायल

घटना में फाईनेंस कंपनी के ब्रांच मैनेजर गिरधारी नंदलाल माखीजा राम टेकरी मंदसौर, अनिल सत्यनारायण व्यास नामली जिला रतलाम, विरम पिता प्रभुलाल धनगर कोटडा बहादुर सितामऊ, चेतन पिता दिलीप बघेरवाल खानपुरा प्रतापगढ रोड मंदसौर की मौत हो गई। यह सभी कार में सवार थे। इसके अलावा पिकअप में सवार बना उर्फ लालसिंह निवासी मेघदूत होटल गेट के पास उज्जैन, ड्राइवर अनूप हनुमानराम जाट पुनिया जोधपुर, जितेंद्र श्रीराम पुनिया बडलिया जोधपुर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं पिकअप सवार तीन घायलों को अस्पताल ले जाया गया। जहां एक की मौत हो गई।

पहले पिकअप, फिर कार को टक्कर मारी...

जानकारी के मुताबिक, रात करीब 11 बजे इंडेन गैस टैंकर उज्जैन की ओर जा रहा था। बदनावर-उज्जैन बायपास पर टैंकर रांग साइड से आ रहा था। इसी दौरान टैंकर ने पहले बदनावर की ओर जा रहे पिकअप को टक्कर मारी। इसके बाद उसके पीछे आ रही कार को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि पिकअप वाहन टैंकर के नीचे घुस गया। पिकअप में पांच लोग सवार थे, जिनमें से तीन की मौके पर ही मौत हो गई। एक घायल को अस्पताल ले जाया गया। पिकअप वाहन नया और बिना नंबर का है। करीब डेढ घंटे की मशक्कत के बाद पिकअप में फंसे घायलों को निकाला जा सका।

कार सवार एक युवक ने रास्ते में दम तोड़ा...

कार में चार लोग सवार थे। इनमें से तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई। एक अन्य को बदनावर सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने उसे रतलाम मेडिकल अस्पताल रेफर कर दिया। रतलाम ले जाते समय रास्ते में उसने भी दम तोड दिया। टैंकर चालक भी गंभीर रूप से घायल है। वहीं एक घायल ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड दिया।

बैंक मैनेजर की भी गई जान...

हादसे में रतलाम के नामली के अनिल व्यास की मौत हो गई। अनिल व्यास एयू बैंक हेड ब्रांच रतलाम के एरिया मैनेजर थे। वह होम लोन डिपार्टमेंट में थे। इनके अंडर में रतलाम, मंदसौर, झाबुआ, नीमच, पेटलावद का एरिया था। उनके परिवार में पत्नी प्रियंका व्यास, बेटा अक्षत (12), बेटी वैष्णवी व्यास (10) के अलावा उनकी मां हैं। छोटा भाई सुनील व्यास है।

इंदौर में मीटिंग कर मंदसौर लौट रहे थे बैंककर्मी...

कार में सवार सभी लोग मंदसौर की एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के कर्मचारी थे। ये इंदौर में मीटिंग कर वापस लौट रहे थे और बदनावर के पास हादसे का शिकार हो गए। बुधवार रात 10.30-11 बजे के बीच गैस का टैंकर क्रमांक जीजे 34 एवाई 8769 गलत दिशा से उज्जैन की और से धार आ रहा था, तभी बदनावर उज्जैन मार्ग पर पिकअप वाहन और गैस टैंकर के साथ कार क्रमांक एमपी 14 सीडी 2552 की टक्कर हो गई, हादसे के बाद पिकअप वाहन गैस टैंकर के नीचे जा घुसा।

झावल में नवजात शिशु मिलने से फैली सनसनी

खजुरी आंजना, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। अफजलपुर थाना क्षेत्र के ग्राम झावल में गुरुवार सुबह एक नवजात शिशु मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। झावल गांव में मानवता को झकझोर करने वाली यह घटना सामने आई है। वर्तमान में गेहूं कटाई का काम चल रहा है, जब सुबह मज़दूरी करनें जा रहे लोगों को गांव से थोड़ी दुर झाड़ियों में नवजात शिशु की रोने की आवाज सुनाई दी तो पास जाकर देखा। वहां जीवित नवजात शिशु झाड़ियों में पड़ा था। ग्रामीणो ने आनन- फानन में हंड्रेड डायल लगाकर पुलिस को सूचना दी।

ग्रामीणों की सूचना पर मौकेपर पहुंची अफजलपुर पुलिस के जवान देवीसिंह व पायलट मनिष धाकड़ तुरंत घटनास्थल से नवजात शिशु को लेकर अफ़ज़लपुर हंड्रेड डायल की मदद से मंदसौर के बड़े अस्पताल ले गए। वहीं अफ़ज़लपुर थाना प्रभारी समरथ सिनम भी मौके पर पहुंचे और आसपास से जानकारी जुटाई, वहीं नवजात शिशु को आईसीयू में भर्ती कराया गया। जहां नवजात शिशु का उपचार जारी है। वही डॉग स्क्वॉड की टीम भी मौके पर पहुंची और जानकारी जुटाने का प्रयास किया नवजात जीवित शिशु की सूचना मिलने की जानकारी पूरे गांव सहित आसपास के क्षेत्र में आग की तरह फैल गई। ऐसी घटना को देखकर क्षेत्र के लोग भी आश्चर्यचकित हो गए। यह घटना देखकर ग्रामीणों में कलयुगी मां के प्रति काफी आक्रोश भी देखा गया। मंदसौर एसडीओपी किर्ती बघेल ने बताया कि झावल गांव में एक नवजात शिशु मिलने कि सूचना पर पुलिस जवान मौके पर पहुंचें व नवजात शिशु जिवित अवस्था में है। उसे मंदसौर के बड़े अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अवकाश सूचना

रंगो के त्योहार धुलेंडी के अवसर पर 14 मार्च शुक्रवार को दैनिक गुरु एक्सप्रेस कार्यालय का अवकाश रहेगा। इसलिए 15 मार्च शनिवार को गुरु एक्सप्रेस का प्रकाशन स्थगित रहेगा। रविवार 16 मार्च को पुनः मिलेंगे। ❊संपादक

विचार-मंथन

आखिर कब थमेगी मणिपुर में हिंसा...

मणिपुर में हिंसा की ताजा घटनाएं यह बताने के लिए काफी हैं कि वहां शांति बहाल करने और समस्या का कोई ठोस हल निकालने के लिए अब तक जितने भी प्रयास किए गए, उनके पीछे दूरदर्शिता की कमी रही। हैरानी की बात यह है कि राज्य में हिंसा की शुरुआत के बाद मई में अब दो वर्ष हो जाएंगे। इसके कारण आमतौर पर स्पष्ट रहे हैं कि यह टकराव मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के मसले से पैदा हुआ। इसके बावजूद राज्य से लेकर केंद्र सरकार की ओर से ऐसा कोई हल या प्रस्ताव सामने नहीं आ सका है, जिस पर संबंधित पक्षों के बीच सहमति बने और राज्य में शांति कायम हो। यह एक तरह से राज्य सरकार की नाकामी ही थी कि चौतरफा और लगातार सवाल उठने के बीच वहां के मुख्यमंत्री को आखिर इस्तीफा देना पड़ा। उसके बाद लागू राष्ट्रपति शासन में भी हिंसक घटनाओं पर काबू पाने और स्थिति में सुधार के मोर्चे पर अब तक आश्वासनों से आगे बढ़ कर कुछ भी ऐसा नहीं किया जा सका है, जो जमीनी स्तर पर स्थानीय लोगों और खासतौर पर हिंसा प्रभावित समुदायों के भीतर विश्वास पैदा करे और वे राज्य में शांति बहाली में भागीदारी निभाएं। गौरतलब है कि मणिपुर के कांगपोकपी में शनिवार को इंफल-दीमापुर उच्च मार्ग पर कुकी समुदाय और सुरक्षाबलों के बीच झड़प हुई, जिसमें एक व्यक्ति की जान चली गई। वहीं इस टकराव में सत्ताईस से ज्यादा जवान घायल हो गए। दरअसल, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में सभी सड़कों पर वाहनों की स्वतंत्र आवाजाही को लेकर एक निर्देश जारी किया था। राज्य में सबसे ज्यादा प्रभावित समुदाय के स्थानीय लोगों ने निर्देश का व्यापक विरोध किया, जिसके बाद तनाव बढ़ गया और अब फिर अराजकता की स्थिति में कांगपोकपी में कई इलाकों में कर्फ्यू लगाने की नौबत आई। यह स्थिति तब है, जब मुख्यमंत्री के इस्तीफे के बाद वहां राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया है, वहां के राज्यपाल ने उपद्रवियों से सभी लूटे गए हथियार जमा करने को कहा है। अब तक पांच सौ से ज्यादा हथियार जमा भी किए जा चुके हैं। मगर यह साफ है कि हिंसा को थामने और उससे भी ज्यादा समस्या के हल के लिए कुछ भी ऐसा ठोस नहीं किया गया है, जिससे स्थायी रूप से शांति कायम करने का कोई रास्ता निकले। सही है कि सड़कों पर बेरोकटोक आवाजाही सुनिश्चित करना स्थिति को सामान्य बनाने में एक सहायक कदम हो सकता है। लंबे समय से राज्य में जारी हिंसा के बीच संभवतः वहां के सभी प्रभावित लोग और समुदाय शांति की उम्मीद में होंगे। लेकिन यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि अगर यह समस्या के मूल कारणों को दूर किए बिना सतह पर कुछ किया जाता है, तो इसके नतीजे अनुकूल नहीं भी आ सकते हैं। ताजा हिंसा के बाद स्थानीय कुकी संगठनों की ओर से जैसी प्रतिक्रिया आई है, वह इसी का उदाहरण है। कुकी समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले एक संगठन की ओर यह कहा गया कि वे शांति का समर्थन करते हैं, लेकिन इस तरह के उपायों से नाराजगी और संघर्ष की स्थिति पैदा होगी। राज्य में हिंसा की शुरुआत के करीब पौने दो वर्ष बाद भी अगर हालात में कोई सुधार आता नहीं दिख रहा है, तो यह सरकारों के भीतर ईमानदार राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी को ही दर्शाता है। जब तक स्थायी शांति के लिए राजनीतिक स्तर पर ठोस समाधान नहीं निकाला जाता, तब तक तात्कालिक उपायों का शायद कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आएगा।

परिसीमन को लेकर तमिलनाडु से पंजाब तक क्यों बढ़ रही चिंता

पवन उप्रेती

देश की राजनीति में इन दिनों परिसीमन को लेकर अच्छी-खासी तनातनी चल रही है। दक्षिणी राज्यों को इस बात का डर है कि परिसीमन के बाद उनकी लोकसभा की सीटें कम हो सकती हैं। विशेषकर तमिलनाडु ने परिसीमन के खिलाफ पुरजोर ढंग से आवाज उठाई है। बताना होगा कि 1973 में हुए परिसीमन के बाद से संसद और राज्यों में सीटों की संख्या स्थिर है। 2026 के बाद होने वाली जनगणना के आधार पर अगला परिसीमन किया जाना है। हैरानी की बात है कि दक्षिण के अलावा परिसीमन के खिलाफ आवाज अब उत्तर भारत के राज्य पंजाब से भी उठी है। पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने हाल ही में पंजाब के सभी राजनीतिक दलों के नेताओं से कहा है कि वे साथ मिलकर परिसीमन के मामले पर चर्चा करें और अगर जरूरत पड़ती है तो मिलकर इसका विरोध करें। आइए, इस मामले को थोड़ा ढंग से समझने की कोशिश करते हैं। बात पहले दक्षिण के राज्यों से शुरू करते हैं। दक्षिण भारत के राज्यों को इस बात का डर है कि परिसीमन के बाद उत्तर भारत में लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ सकती है जबकि दक्षिण की हिस्सेदारी कम हो सकती है। बताना होगा कि भारत में लोकसभा सीटों का परिसीमन जनसंख्या के हिसाब से होता है। जनसंख्या के हिसाब से परिसीमन होने पर न सिर्फ तमिलनाडु बल्कि दक्षिण के अन्य राज्यों- आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तेलंगाना में भी लोकसभा सीटों की संख्या कम हो सकती है। दूसरी ओर उत्तर भारत के राज्यों में सीटें बढ़ेंगी। ऐसा इसलिए क्योंकि उत्तर भारत में आबादी ज्यादा है इसलिए यहां लोकसभा की सीटें बढ़ेंगी और इसका मतलब यह होगा कि संसद में उत्तर भारत की आवाज दक्षिण के मुकाबले ज्यादा मजबूत होगी। तमिलनाडु और दक्षिण के अन्य राज्यों की इसी चिंता को देखते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हाल ही में कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा में स्पष्ट कर चुके हैं कि परिसीमन के बाद भी दक्षिण के किसी भी राज्य की सीट कम नहीं होगी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन कहते हैं कि तमिलनाडु और अन्य दक्षिण भारतीय राज्यों को जनसंख्या आधारित परिसीमन की वजह से नुकसान होगा क्योंकि उन्होंने बढ़ती जनसंख्या को काबू किया है। उन्होंने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि 1971 की जनसंख्या के आधार पर ही सीटों का बंटवारा हो और इसे 2026 के बाद अगले 30 साल के लिए बढ़ा दिया जाना चाहिए। स्टालिन की असली चिंता आंकड़ों के गणित को लेकर है। मौजूदा वक्त में तमिलनाडु में 39 लोकसभा सीटें हैं और लोकसभा की 543 सीटों के हिसाब से तमिलनाडु की हिस्सेदारी 7प्रतिशत है। अगर लोकसभा सीटों की संख्या देशभर में बढ़कर 848 हो जाती है और जनसंख्या के आधार पर सीटों का बंटवारा होता है तो तमिलनाडु के पास बढ़कर 45 सीटें हो जाएंगी लेकिन कुल सीटों की हिस्सेदारी में उसका प्रतिशत घटकर 5प्रतिशत रह जाएगा। लेकिन अगर 1971 का जनसंख्या वाला अनुपात रखा जाए तो तमिलनाडु को 59 सीटें मिलेंगी जिससे उसकी हिस्सेदारी 7प्रतिशत पर कायम रहेगी। यदि लोकसभा में सांसदों की सीटों की संख्या 543 ही रखी जाए और परिसीमन नई जनगणना के आधार पर हो तो तमिलनाडु में सीटों की संख्या घटकर 30 रह जाएगी और उसकी हिस्सेदारी घटकर 5.5% रह जाएगी। इसलिए मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा है कि लोकसभा सीटों का निर्धारण केवल जनसंख्या के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने तमिलनाडु के सभी राजनीतिक दलों से इस मुद्दे पर एकजुट होने की अपील की है। अब एक बार फिर से बात करते हैं पंजाब की। प्रताप सिंह बाजवा से पहले चंडीगढ़ से कांग्रेस के सांसद मनीष तिवारी ने भी परिसीमन के मुद्दे को लेकर अपनी बात रखी थी। मनीष तिवारी ने कहा था कि यदि परिसीमन 'एक नागरिक, एक वोट और एक समान मूल्य' के आधार पर लागू होता है तो लोकसभा और राज्यसभा में उत्तर भारतीय राज्यों की कुल हिस्सेदारी घट जाएगी। तिवारी ने कहा था कि इस परिसीमन से केवल मध्य भारत के राज्यों को लाभ होगा जबकि पंजाब और हरियाणा के बीच तनाव बढ़ सकता है। उन्होंने सवाल किया, 'क्या पंजाब हरियाणा के बराबर लोकसभा सीटें स्वीकार करेगा?' मौजूदा वक्त में पंजाब में 13 और हरियाणा में 10 लोकसभा सीटें हैं। हरियाणा में जनसंख्या वृद्धि पंजाब की तुलना में ज्यादा है और इसका एक कारण एनसीआर में अन्य राज्यों से लगातार आ रहे लोग भी हैं। पंजाब हरियाणा को अपना 'छोटा भाई' माना है क्योंकि इसे 1966 में पंजाब से अलग करके बनाया गया था। दोनों राज्यों के बीच राजधानी चंडीगढ़ के अलावा सतलुज यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर की वजह से भी राजनीतिक लड़ाई चलती रहती है। कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा का कहना है कि यदि लोकसभा की कुल सीटें 848 होती हैं तो भी पंजाब को बहुत कम फायदा होगा जबकि उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों को ज्यादा सीटें मिलेंगी क्योंकि इन राज्यों में जनसंख्या ज्यादा है। बाजवा ने कहा कि बीजेपी इन सभी राज्यों में मजबूत है और पंजाब उत्तर भारत के उन राज्यों में से है जहां बीजेपी अब तक अपनी पकड़ मजबूत नहीं कर सकी है। इस आधार पर बाजवा का कहना है कि बीजेपी परिसीमन की मौजूदा प्रणाली को ही बनाए रखने की कोशिश करेगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मोदी सरकार पंजाब के खिलाफ साजिश रच रही है। बीजेपी का इस मामले में स्पष्ट रूप से कहना है कि परिसीमन एक संवैधानिक प्रक्रिया है। पंजाब बीजेपी के मीडिया प्रमुख विनीत जोशी ने कहा, 'कांग्रेस की सरकारों के दौरान 1951, 1961 और 1971 में लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभा सीटों का परिसीमन हुआ था। यह प्रक्रिया जनगणना पर आधारित थी। क्या वह गलत थी? अगर नहीं, तो कांग्रेस के नेता अब डरे हुए क्यों हैं?' इस मामले में हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभान ने सुझाव दिया कि राष्ट्रीय स्तर पर सभी दलों की बैठक बुलाई जानी चाहिए।

उपभोग और विलासिता कुछ समय के लिए...

मुग्धा

ऐसा कहा जाता है कि मतलबीपन या स्वार्थपूर्ण विचार से अपने मानसिक संतोष को न तो कभी समझा जा सकता है और न ही इसका अनुभव किया जा सकता है। मानसिक सुकून के लिए त्याग और उदारता का मार्ग ही श्रेष्ठ बताया गया है। अगर मन में करुणा होती है और हमारी आदत या संस्कार में भी उदारता सहज ही शामिल हो जाती है तो उसके बाद बिताया जाने वाला हर पल परिपक्व होता जाता है। आज का समय तकनीक और सुविधा से लैस युग है। हममें से किसी को यह सच नहीं पता कि कल हमारे साथ क्या होगा। मगर सामाजिक होने के उदार भाव में शायद ऐसी असुरक्षा हावी नहीं रहती है। उसके मन में कहीं न कहीं समाहित है इसका समुचित उत्तर। उत्तर यह है कि जो भी होगा, जैसा भी होगा, उसमें शायद स्वीकार का भाव होगा। सामाजिक संबंध का ताना-बाना हर तरह की परिस्थिति में मानसिक मजबूती देगा। इसलिए उदारमना लोग अपनी सकारात्मक विचारधारा के माध्यम से आगे होने वाली घटनाओं को एक सकारात्मक परिभाषा तक दे लेते हैं। इस संदर्भ में एक सुंदर प्रसंग है। गौतम बुद्ध अपने शिष्य आनंद की मानसिक परिपक्वता को परखने के लिए पूछते हैं कि मान लो, अगर कोई अपशब्द कहने लगे तो क्या विचलित हो जाओगे? आनंद उत्तर देते हैं कि नहीं तथागत, कदापि नहीं। मैं तो कुदरत का आभार व्यक्त करूंगा कि वह मुझे शारीरिक कष्ट नहीं दे रहा है। इस उत्तर से बुद्ध को बहुत सुकून मिला और उन्होंने आनंद की इस परिपक्व सोच की सराहना की। आनंद और बुद्ध के इस संवाद में जीवन के सूत्र छिपे हैं। माफ कर देने की उदारता, सबको मनुष्य समझकर उसकी गलती पर उत्तेजित न होने की विशालता और समाज में सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने की कुशलता आदि। अगर हम बचपन से अपने जीवन को देखें तो अपना जीवन भी औरों से कहीं ऐसी ही सहज उदारता की तलाश में ही लगा होता है। सहज ममता हमको माता-पिता से मिल जाए, सहज सुख हमें हमारे दोस्त और सहपाठी अनवरत देते रहें, सहज ज्ञान जो हमारे शिक्षक हमें बगैर पक्षपात के प्रदान करते रहें, सहज धन आगमन जो कि मेहनत करते मिल जाए। अगर हम यह सब प्राप्त करने के साथ देने को भी तैयार रहते हैं, तो जीवन सतरंगी हो जाता है। बादल और वृक्ष से हमको सीखना चाहिए कि केवल जल लेकर वृक्ष अपनी सारी संपदा को वापस लौटा देता है। वृक्ष के फल और फूल ही नहीं, पत्ते, छाल, डाल, जड़ तक उपयोग में ले ली जाती है। उसकी घनी छांव के तो क्या ही कहने! कितने राहगीर, कितने पशु और पंछी उसकी निश्छल छांव से अपना जीवन सुख पाते रहते हैं। महान दार्शनिक अरस्तू कहते हैं कि एक वस्तु, व्यक्ति या परिस्थिति एक व्यक्ति को जरूरत से अधिक सुख दे देती है, लेकिन वह जरा-सा किसी और को दिया जाए तो उसकी जान बच जाती है। एक बार एक सुल्तान के स्नान लिए रेगिस्तान में ऊंटों के जरिए हजारों लीटर पानी ले जाया जा रहा था। रेगिस्तान में प्यास से भटक रहे यात्रियों के समूह को सुल्तान के सेवक ने दया करके कुछ जल दे दिया तो सूखे कंठ से कराहते यात्री अपना जीवन बचा पाए। वे सुल्तान के लिए शुक्रिया के गीत गाने लगे, लेकिन सुल्तान को इसमें कोई महान बात नजर नहीं आई। आखिरकार उसके पास बहुत सारा अतिरिक्त जल था। जरा-सा दे भी दिया तो कौन-सी खास बात हुई। लेकिन वह तरसते हुए प्यासे लोग जानते थे एक-एक बूंद जल का असली महत्त्व। हमारे जीवन में चीजों का बहुत सारा उपभोग और विलासिता कुछ समय के लिए ही होते हैं, क्योंकि एक सीमा तक ही हम स्वाद, शौक या आनंद या रौनक में खुश रह पाते हैं। इसके बाद उसका इतना महत्त्व नहीं रह जाता। मगर अकिंचन और निर्धन के लिए उसमें से जरा-सा भी पर्याप्त होता है। हमको यह बात याद रखनी चाहिए। सुखी और स्वार्थपूर्ण जीवन की लालसा कभी खत्म नहीं होती। इसलिए यही हमारी अनैतिक इच्छा को भी पैदा करती है। नतीजतन, भारी अफसोस और कुंठा हमारे जीवन का अंग बन जाते हैं। जबकि विचार करने पर लगता है कि जो भी अपने पास अतिरिक्त है, उसका दान करना, उदारता का व्यवहार रखना, मिल-बांटकर खाना और जमाखोरी न करने का आविर्भाव इसी मतलबीपन को समेटने के लिए हुआ है। अपने पास बस काम चलाने लायक रखना, बाकी किसी जरूरतमंद को दे देना।

बिहार में हिंदुत्व की समां बंधने से सियासी दलों की बेचैनी बढ़ी

बिहार में हिंदुत्व की समां बंधने से सियासी दलों की बेचैनी भी बढ़ चुकी है।

दरअसल, अपने हिंदुत्व का बिगुल फूंकते हुए बागेश्वरधाम सरकार धीरेंद्र शास्त्री ने कहा है कि वह किसी राजनीतिक दल के प्रचारक नहीं बल्कि हिन्दू धर्म के विचारक हैं। बिहार में विधानसभा चुनाव इसी वर्ष अक्टूबर-नवम्बर महीने में होंगे। हालांकि, उससे महीनों पहले राज्य में धार्मिक और राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो चुकी हैं। कहीं एनडीए और यूपीए एक दूसरे के खिलाफ ताल ठोकते प्रतीत हो रहे हैं तो कहीं उनके गठबंधन के अपने ही साथी एक-दूसरे को रणनीतिक मात देते हुए अपनी सीटें बढ़ाने को लेकर बेताब नजर आ रहे हैं। इस नजरिए से भाजपा-जदयू की धींगामुश्ती और राजद-कांग्रेस की अंदरूनी कुश्ती के बीच चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी सबके बने बनाए खेल बिगाड़ रही है। एक तरफ जहां धर्मनिरपेक्ष और सामाजिक न्याय के वोटों का बिखराव तय माना जा रहा है, वहीं हिंदुत्व का नया जनज्वार यहां भी पैदा होती दिखाई दे रही है। इससे जदयू के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कम, लेकिन पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और उनके समर्थक ज्यादा परेशान हैं। इस बीच बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री जब अपने हिंदू राष्ट्र के एजेंडे के साथ बिहार पहुंचे, तो रही सही कसर पूरी हो गई। क्योंकि उनका हुमुंठ धार्मिक अंदाज बिहारियों पर भी अपना छाप छोड़ेगा ही। उधर, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत सुपौल में और आर्ट ऑफ लिविंग के श्रीश्री रविशंकर भी पटना में यानी राज्य में मौजूद हैं। इससे धीरेंद्र शास्त्री के गोपालगंज में पांच दिवसीय हनुमंत कथा की समां बंध चुकी है। वहीं, बिहार में हिंदुत्व की समां बंधने से सियासी दलों की बेचैनी भी बढ़ चुकी है। दरअसल, अपने हिंदुत्व का बिगुल फूंकते हुए बागेश्वरधाम सरकार धीरेंद्र शास्त्री ने कहा है कि वह किसी राजनीतिक दल के प्रचारक नहीं बल्कि हिन्दू धर्म के विचारक हैं। पंडित शास्त्री का यह कहना कि वह अब सनातनियों को झुकने नहीं देंगे, हिंदुओं की आबादी घटने नहीं देंगे, और भारत के पहले ही बहुत टुकड़े हो चुके हैं, इसलिए अब भारत के और टुकड़े होने नहीं देंगे, को सुनकर हिन्दू गदगद हैं। वहीं, पंडित शास्त्री ने सवालिया लहजे में यह पूछकर अपना धार्मिक एजेंडा स्पष्ट कर दिया है कि ईसाइयों के हितचिंतक 95 देश हैं, इस्लामी मतावलंबियों यानी मुसलमानों के हितचिंतक 65 देश हैं, लेकिन हिंदुओं का हितचिंतक कौन देश है? उन्होंने अपनी चिंता प्रकट करते हुए आगे कहा कि भारत, पाकिस्तान, बंगलादेश, नेपाल, भूटान, फिजी, मॉरीशस, सूरीनाम आदि देशों में जो 150 करोड़ हिन्दू हैं, जो दुनिया की तीसरी बड़ी धार्मिक आबादी है, उनका हितचिंतक तो अखंड भारत के ही देशों को होना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा है। यदि ये ऐसा नहीं करेंगे तो हम डंके की चोट पर उनसे हिंदुत्व से जुड़े ये कार्य करवाएंगे, लेकिन हिंदुओं का अहित नहीं होने देंगे। उन्होंने दो टूक लहजे में कहा कि हम हिंदुओं के लिए ही जीयेंगे और हिंदुओं के लिए ही मरेंगे। इसलिए हम पूरे भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में घूम-घूम कर हिंदुत्व का अलख जगा रहे हैं।मुझे बिहार के लोगों से ज्यादा उम्मीद है। हिन्दू राष्ट्र की मजबूत हुंकार इसी क्रांतिकारी भूमि से भरी जाएगी। स्वाभाविक है कि बिहार में बागेश्वर धाम सरकार धीरेंद्र शास्त्री का एक धार्मिक नेता वाला अवतार दिखा। इससे पहले वह उड़ीसा, झारखंड, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान आदि राज्यों को भी हिंदुत्व और भारतीयता के लिहाज से जगाते चले आ रहे हैं। जीवन में भक्त और भक्ति एक दूसरे के बिना सफलता की कामना संभव नहीं है।

आज का राशिफल

मेष : [illegible] शुभांक-2-7-9

वृषभ : [illegible] शुभांक-1-3-5

मिथुन : [illegible]

कर्क : [illegible]

सिंह : [illegible] शुभांक-2-4-6

कन्या : [illegible]

तुला : [illegible]

वृश्चिक : [illegible]

धनु : [illegible]

मकर : [illegible]

कुंभ : [illegible]

मीन : [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5535

8		3		1	6			
	9	1					6	
2	6	4						
			4	6			7	2
	7			3			5	
4	3			5	2			
						1	8	5
	8					7	4	
			1	7		2		3

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5534

8	3	6	9	5	7	1	2	4
2	7	1	3	8	4	9	6	5
5	9	4	1	2	6	8	7	3
3	2	7	4	6	1	5	9	8
9	1	8	5	7	3	6	4	2
6	4	5	2	9	8	7	3	1
7	6	2	8	4	5	3	1	9
1	8	9	7	3	2	4	5	6
4	5	3	6	1	9	2	8	7

वर्ग पहेली 5535

संकेत: बाएं से दाएं
1. यह हमारे देश का राष्ट्रीय नारा है (6)
7. एक होने का भाव, अभिसार, आलिंगन (3)
8. चुंगी कर, भाड़ा, किराया (4)
9. काग का शब्द का अपभ्रंश (2)
10. फूलों की घनी गुंथी हुई छोटी माला (3)
11. वैराग्य, विरति, संन्यास ग्रहण, दिलीप कुमार की सिहरी भूमिका वाली फिल्म (1967)(3)
12. मृदुल मंद समीर, ठंडी और धीमी हवा (3)
14. साधु संन्यासी के रहने का स्थान (2)
15. रसूल, ईशदूत, पैगंबर (2)
16. असफल, अयोग्य, अनुत्तीर्ण (3)
18. शास्त्रीय संगीत में गांधार स्वर (1)
20. ये तमिल तथा हिंदी फिल्मों के निर्देशक हैं जिन्हें पद्मश्री से नवाजा जा चुका है (5)
22. यह अहिल्या का सबसे बड़ा शहर है जो [illegible] नदी के किनारे स्थित है (3)
24. नदी किनारे का वह पक्का स्थान जहां लोग पानी भरते व स्नान करते हैं (2)

ऊपर से नीचे
1. मजदूर (3)
2. स्वार्थरहित न होना, स्वार्थरहितहीन होना (6)
3. जंगल, कानन, अरण्य (2)
4. सुकन्या, अविवाहित कुमारी (3)
5. यह ईरान की राजधानी है (4)
6. फूलअदाम, फूल जैसा कोमल और मृदुल सुकुमार और सुगंधित शरीर वाला (4)
10. सूर्य का एक नाम यह भी है (5)
12. जल में उत्पन्न वस्तु (3)
13. शंख, सुराही, सुखन्वर (3)
17. हसरत, आरजू, तमन्ना, आकांक्षा (3)
19. पद्य की रचना वाला (2)
21. स्त्री का नृत्य, लास नाच (2)
22. शिव से संबंधित एक नक्षत्र (2)

वर्ग पहेली 5534 का हल

क	ला	म	म	हे	श्व	री	■
र्म	■	त	ला	■	ब	ज	ना
■	क	प	ड़ा	■	न	न	द
■	प	त्र	■	ज	■	■	ना
ब	ही	■	ब	त्त	खा	ह	■
ज	न	क	रा	ज	■	ल	ता
ना	ता	■	ती	■	■	ही	रा
■	■	तू	■	■	फी	जी	■

पृथ्वीराज सिंह राठौर को पीएचडी की उपाधि

मंदसौर, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। राजीव गांधी शासकीय महाविद्यालय,

मंदसौर के पूर्व प्राचार्य डॉ रवींद्र कुमार सोहोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि महाविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री राठौर को मंदसौर विश्वविद्यालय, मन्दसौर ने 'डिज़ाइन एण्ड डेवलेपमेंट ए बिजनेस इंटेलिजेंस मॉडल फॉर इम्प्रूविंग ऑर्गेनाइजेशन एफिशियंसी इन हैल्थ केयर सिस्टम' विषय पर पी -एच. डी. की उपाधि प्रदान की है. राठौर ने अपना शोध कार्य डॉ. बालकृष्ण शर्मा के विद्वतापूर्ण मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। डॉक्टरेट की उपाधि मिलने पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ, जे, एस, दुबे. डॉ, आर, सी, दाढ, डॉ, टी, के, झाला के साथ ही अनिल शर्मा, जगदीश शर्मा, कीर्ति काश्यप, दिलखुश मकवाना सहित कई साथियों ने राठौर को बधाई दी है।

गेंहू उपार्जन हेतु पंजीयन की अंतिम तिथि 31 मार्च

मंदसौर, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा बताया गया कि, समस्त किसान बंधुओ को सूचित किया जाता है कि रबी विपणन वर्ष 2025-26 में गेंहू उपार्जन हेतु पंजीयन की प्रकिया जारी है। जिसकी अंतिम दिनांक 31 मार्च 2025 है, शासन के निर्देशानुसार ऋअटगेंहू की खरीदी दिनांक 15 मार्च 2025 से केंद्र शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य राशि रुपए 2425 तथा राज्य शासन द्वारा देय बोनस 175/- रूपये प्रति क्विंटल। इस प्रकार कुल 2600/- प्रति क्विंटल की दर पर शासन द्वारा खरीदा जावेगा। अत: समस्त किसान बंधुओ से अनुरोध है की पंजीयन अवधि समाप्त होने के पूर्व अपने नजदीकी किसान पंजीयन केंद्र (सहकारी सोसाइटी) पर जाकर नि:शुल्क गेंहू पंजीयन करवाए। पंजीयन करवाने हेतु आवश्यक दस्तावेज किसान कि समग्र आईडी, किसान का आधार कार्ड, किसान कि बैंक पासबुक, आधार से लिंक मोबाईल नम्बर, खसरा रिपोर्ट (पावती)।

सामाजिक समरसता मंच द्वारा रंगपंचमी पर्व को लेकर तैयारियां शुरू, फाग यात्रा 19 को

मंदसौर, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। सामाजिक समरसता मंच के तत्वावधान में आगामी 19 मार्च, बुधवार को रंग पंचमी पर्व पर भव्य फाग महोत्सव का आयोजन किया जाएगा जिसमें रंगारंग गैर के रूप में फाग यात्रा निकाली जाएगी। फाग यात्रा को भव्याति भव्य रूप देने के लिए 15 मार्च को एक बड़ी बैठक का आयोजन रखा गया है।

रंग पंचमी के अवसर पर निकलने वाली फाग यात्रा का शुभारंभ श्री बड़े बालाजी मंदिर, पुराना बस स्टैंड मंदसौर से भगवान श्री बालाजी महाराज की महाआरती के साथ प्रारंभ होगी ।इस अवसर पर समस्त सनातन धर्मियों द्वारा भगवान श्री हनुमान चालीसा का पाठ भी किया जाएगा । फाग यात्रा यहां से भगवान श्री हनुमान जी का आशीर्वाद लेकर प्रारंभ होगी । फाग महोत्सव के आयोजन के लिए संपन्न हुई बैठक में श्री दशरथ सिंह झाला ने कहा कि होली एक ऐसा पर्व है जो सभी समाजों को एकरस और समरंग करता है। मंदसौर नगर की सामाजिक पृष्ठभूमि और उत्सवों के प्रति नगर वासियों का विशेष अनुराग रहता है। रंग पंचमी के दिन यह फाग महोत्सव सभी समाजों के प्रतिनिधियों तथा नगर वासियों के साथ भव्यता और शालीनता से मनाया जाएगा। बुजुर्गों और हृदय रोगियों के स्वास्थ हित की दृष्टि से फाग महोत्सव में निकलने वाली होली की रंगारंग गैर को पूर्णतया डीजे मुक्त रखा गया है। फाग महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष राजकुमार राठौर तथा सचिव लखन बैरागी ने फाग महोत्सव की तैयारी के संदर्भ में जानकारी दी। बैठक में इस वृहद आयोजन को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए विभिन्न समितियां बनाई गई तथा उसके प्रभार विभिन्न लोगो को सौंपे गए। 15 मार्च को सायंकाल 5:00 बजे नगरपालिका सभागार,मंदसौर में एक बडी बैठक आहुत कर फाग महोत्सव की पूरी रूपरेखा पर चर्चा की जाएगी। बैठक में सर्व श्री अमरजीत सिंह चावला, डॉ. घनश्याम बटवाल, पं.अरुण शर्मा, ब्रजेश जोशी,प्रकाश सिसोदिया, निलेश जैन, करण परिहार,विकास चौधरी, जितेंद्र गेहलोत, भगवान सिंह चौहान एड.जयदेव सिंह चौहान एड.हेमंत बुलचंदानी, सुरेश राठोड, आनंद तंवर, शैलेश सोनी, राजेश पालीवाल, नरेंद्र त्रिवेदी, नकुल माहेश्वरी,प्रदीप भाटी आदि उपस्थित थे।

भादवामाता के नवरात्रि मेले में श्रृद्धालुओं के लिए बेहतर इंतजाम सुनिश्चित करें-चंद्रा

कलेक्टर एवं एसपी ने भादवामाता में नवरात्रि मेले की तैयारियों का लिया जायजा

नीमच, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मालवांचल के सुप्रसिद्ध धार्मिक आस्था के केंद्र मालवा की वैष्णोदेवी के नाम से सुप्रसिद्ध महामाया मां भादवामाता में चैत्र नवरात्रि पर 30 मार्च से वृहद मेला आयोजित किया जा रहा है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं एसपी श्री अंकित जायसवाल ने गुरुवार को भादवामाता के सम्पूर्ण मेला परिसर का निरीक्षण कर नवरात्रि मेले की तैयारियों का जायजा लिया और उपस्थित अधिकारियों को बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए बेहतर आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर एवं एसपी ने गुरुवार को मंदिर परिसर में चल रहे निर्माण कार्यो और कोरीडोर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया तथा मंदिर के समीप परिसर में रखी हुई निर्माण सामग्री, मटेरियल हटवाकर, पर्याप्त साफ-सफाई करवाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने नवरात्रि में दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की सम्भावना को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं को सुगम प्रवेश एवं निकासी की पृथक-पृथक व्यवस्था, स्कूल के सामने टंकी के पास से कोरीडोर में करने के निर्देश दिए। कलेक्टर एवं एसपी ने अधिकारियों के साथ कोरीडोर का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं के प्रवेश व निकासी की व्यवस्था का अवलोकन किया। कलेक्टर श्री चंद्रा ने नवरात्रि मेले में श्रद्धालुओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त बेरिकेटिंग व्यवस्था, सम्पूर्ण मेला परिसर में पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्थां, समुचित पब्लिक साउण्ड सिस्टम की व्यवस्था, श्रद्धालुओं को शुद्ध पेयजल के लिए प्याऊ की व्यवस्था एवं समुचित साफ-सफाई एवं सेनिटेशन की व्यवस्था करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों और एसडीएम को दिए। एसडीएम ने अवगत कराया, कि नवरात्रि में भोजन की व्यवस्था, नवनिर्मित प्रसादालय से की जावेगी। दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं के जूते, चम्पल व सामान रखने के लिए प्राथमिक शाला परिसर में व्यवस्था की जावेगी।

कलेक्टर ने एसडीएम को निर्देश दिए, कि नवरात्रि में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या का आंकलन कर उनके दर्शन के लिए प्रवेश एवं दर्शन के उपरांत निकासी की समुचित व्यवस्था की जाए। साथ ही आपात स्थिति में भी श्रद्धालुओं की निकासी की वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। कलेक्टर ने मेले में लगने वाली दुकानों का लेआउट तैयार कर स्थान आवंटित कर 25 मार्च तक दुकाने लगवाने की सभी व्यवस्था पूर्ण करने के निर्देश भी ग्राम पंचायत को दिए। पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल ने कहा, कि नवरात्रि मेले में भादवामाता में लगभग 300 पुलिस जवान, सुरक्षा के लिए सिक्यूरिटी गार्ड एवं चौकीदार तैनात किए जाएंगे। वाहन पार्किंग स्थल पर संबंधित ठेकेदार द्वारा आवश्यक व्यवस्था की जाकर अपने पर्याप्त स्वयं सेवक तैनात किए जाएंगे। कलेक्टर एवं एसपी ने भादवामाता मंदिर में महामाया मां भादवामाता के दर्शन भी किए। इस मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवलसिंह सिसोदिया, एसडीएम श्री संजीव साहू , रक्षित निरीक्षक श्री विक्रमसिह, तहसीलदार सुश्री कविता कडेला व अन्य अधिकारी, सरपंच श्रीमती मिठ्ठूबाई सुरावत, संस्थान प्रबंधक श्री अजय एरन भी उपस्थित थे।

समर्थन मूल्य पर उपज उपार्जन के लिये किसान पंजीयन की अंतिम तिथि 17 की गई

मंदसौर, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। उप संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग जिला मन्दसौर द्वारा बताया गया कि, रबी मौसम वर्ष 2024-25 (विपणन वर्ष 2025-26) में समर्थन मूल्य पर चना, मसूर, सरसों के उपार्जन के लिये पंजीयन की अंतिम तिथि 10 मार्च तक थी, पंजीयन दिनांक 17 मार्च तक बढ़ा दी गई है। समर्थन मूल्य पर दिनांक 25 मार्च से उपार्जन प्रारंभ किया जाएगा। अत: सरसों, बना, मसूर फसल उगाने वाले कृषकों को सूचित किया जाता है कि सरसों चना, मसूर के उपार्जन हेतु तत्काल पंजीयन कराएं।

कृषक स्वयं के मोबाईल से निर्धारित लिंक www.mpeuparjan.nic.in पर, एम.पी. ऑनलाईन, कॉमन सर्विस सेंटर, लोकसेवा केन्द्र या अपनी नजदीकी पंजीयन केन्द्र (सहकारी समिति) पर जाकर पंजीयन कराएं। पंजीयन हेतु आवश्यक दस्तावेज भूमि संबंधित दस्तावेज-बी1/पावती, किसान का आधार कार्ड, बैंक खाते से पंजीकृत मोबाईल नंबर, बैंक पासबुक एवं अन्य फोटो पहचान पत्र तथा सिकमीधारी/बटाईदार एवं वन पट्ठाधारी अपने नजदीकी पंजीयन केन्द्र (सहकारी समिति) पर जाकर पंजीयन कराएं। उपार्जन की सीमा एवं समर्थन मूल्य-सरसों का उपार्जन 20 क्विंटल / हेक्टर एवं समर्थन मूल्य 5950 रू./क्विं. चना का उपार्जन 20 क्विंटल / हेक्टर एवं समर्थन मूल्य 5650 रू./क्विं. मसूर का उपार्जन 11 क्विंटल / हेक्टर एवं समर्थन मूल्य 6700 रू./क्विं.है। चना, मसूर, सरसों की खरीदी एक किसान से अधिकतम 100 क्विंटल की जा सकेगी।

राष्ट्रीय एकता नाहर सैय्यद मेला में मुशायरा, कवि सम्मेलन सम्पन्न

मंदसौर, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नगरपालिका परिषद मंदसौर के द्वारा तीन दिवसीय राष्ट्रीय एकता नाहर सैय्यद मेला का आयोजन हजरत नाहर सैय्यद दरगाह व मेला ग्राउंड पर किया जा रहा है। मेला के द्वितीय दिवस बुधवार की रात्रि को मुशायरा व कवि सम्मेलन का आयोजन रखा गया। रात्रि 10.30 बजे से देर रात्रि तक आयोजित इस मुशायरा/कवि सम्मेलन में देश एवं प्रदेश के ख्याति प्राप्त शायरों व कवियों ने मेला के सांस्कृतिक रंगमंच पर अपनी रचनाओं की प्रस्तुति दी जिसे सभी ने सराहा। डॉ. माजिद देवबंदी (देवबंद उत्तर प्रदेश), इस्माइल नजर (देवास), इमरान रफीत (मुम्बई), हामिद भुसावली (भुसावल महाराष्ट्र), सुहाना नाज (मुम्बई), नईम अख्तर (बुरहानपुर), राजेन्द्र आचार्य (भुवानीमण्डी), मोहन मुंतजिर (नैनीताल), नैना नसीब (कोटा राज.) ने मेला पंडाल में अपनी रचनाओं की प्रस्तुति से ऐसा समां बांधा कि मुशायरा सुनने के लिये आये श्रोतागण प्रभावित हुए बगैर नहीं रह सके।

डॉ. माजिद देवबंदी ने नवाज देवबंदी की पंक्तियां पड़ी कि परिंदों में फिरका परस्ती नहीं होती, कभी मंदिर पर तो कभी मस्जिद पर जा बैठते है। उन्होंने हिन्दू मुस्लिम भाईचारे पर भी कई पंक्तियों से समां बांध दिया। इस्माईल नजर ने मुशायरा का संचालन करते हुए कहा जो बेकाबू हो तो काबू करने वाला भेज देता है, वतन पर खतरा हो तो टीपू सुल्तान भेज देता है, वो इतना दयालु है कि कागज के फूलों में भी खुशबु भेज देता है। उन्होंने मक्का मदीना शहर की खासियत बताते वाले हुए कहा कि ख्वाब में जब सफीना देखा, मैंने शहर मदीना देखा, गुलाब की खुशबू में भी मोहम्मद का पसीना देखा। मुशायरा व कवि सम्मेलन के शुभारंभ के मौके पर नपा परिषद मंदसौर के द्वारा हजरत नाहर सैय्यद की दरगाह पर चादर पेश की गई और उसके बाद अतिथिगणों व शायरों का स्वागत सत्कार कार्यक्रम किया गया। मुशायरा व कवि सम्मेलन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छोटे मियांजी सरकार श्री वकीलउद्दीन सा., भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्री अनिल कियावत, पूर्व जिला महामंत्री श्री अजयसिंह चौहान, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती निर्मला गुप्ता, शा. महाविद्यालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री नरेश चंदवानी, नपा नेता प्रतिपक्ष श्रीमती रफत पयामी, हज कमेटी के पूर्व डायरेक्टर अनवर एहमद मंसूरी एड., समाजसेवी श्री कन्हैयालाल सोनगरा, समाजसेवी श्री हाजी मुंशी खां, श्री नाहरू मंसूरी शामिल हुए। इस मौके पर नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, मेला समिति सभापति श्रीमती खेरून बी शहजाद पटेल, मेला समिति सदस्यगण श्रीमती बब्बन युसुफ गौरी,गोवर्धन कुमावत, श्रीमती मंजू अनिल मालवीय, श्रीमती कमरूनिशा आरिफ अंसारी एवं मेला अधिकारी पी.एस. धारवे, मेला लिपिक राजेन्द्र नीमा, आर्गेनाइजर गुलाम मोईनुद्दीन, पार्षद भावना जयप्रकाश पमनानी, निर्मला चंदवानी, नरेन्द्र बंधवार, राजेश गुर्जर, शकील शेहजाद पटेल, जिला वक्फ बोर्ड के सेक्रेटरी भूरे खां मेव, समाजसेवी अकिल भाई कुरैशी रायल बस, मो. खलील खान, शेर मोहम्मद खान आदि के द्वारा माला पहनाकर किया गया। संचालन शहजाद पटेल ने किया।

कायस्थ समाज की आज निकलेगी होली गैर

मंदसौर, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कायस्थ समाज मंदसौर की होली पर्व की गैर आज 14 फरवरी, शुक्रवार को सुबह 9 बजे चित्रगुप्त मंदिर प्रेम कॉलोनी से निकलेगी। चित्रांश बंधुओं से निवेदन है कि गैर मै अपनी उपस्थिति अवश्य देवे। गैर विगत वर्ष शोकाकुल कायस्थ परिवार में जावेगी। कायस्थ समाज के अध्यक्ष शैलेन्द्र माथुर, सचिव श्री लालबहादुर श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष श्री दीपेश श्रीवास्तव, श्री विक्रम भटनागर, श्री महेंद्र भटनागर, श्री राजनारायण भटनागर, नितिन गौड़, अरुण गौड़ ने अधिक से अधिक संख्या में चित्रांश बंधुओं से गैर में सम्मिलित होने की अपील की है।

मेल मिलाप कराये होली

जात-पात नहीं देखती
अमीर गरीब नहीं सोचती
काला गोरा क्या होता
नहीं जानती ये होली
मेल मिलाप कराये होली।
एक दूजे मन भाए
रंग गुलाल तन लगाएं
सारे भ्रम मन धो डाले
हाथों में हाथ संग डोले
बहके कदम मिलाये होली।
ना कोई छीन झपटी
ना हो धक्का मुक्की
न करे किसी को नंगा
रंग डाले हो जाए चंगा
मन मुदित कराये होली।
छाया जिस घर में शोक
संग मिल जाए घर अनेक
बैठ लगाएं गुलाल ऐसा
याद न आये दु:ख कैसा
सब तनाव भूलाये होली
चमक उठा सारा गात
भूला पिया आया प्रभात
होली काम रंग में डूबे
मिलन दिन रात भूले
तन एकाकार कराये होली
लगा कपोल नेह जताए
रंग सांसों में घुल जाए
दोउ नैन हुए यों मदमाते
बिन बूटी के नाचे झूमे
छवि दिल में उतारे होली।

भगवती प्रसाद गेहलोत

यज्ञों में श्रेष्ठसोमयज्ञ जीवन के प्रारब्ध बदल देता है

मातृशक्ति महिला मण्डल ने किया घर-घर संपर्क

मंदसौर, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। श्री सोमयज्ञ के विराट आयोजन हेतु गठित मातृशक्ति महिला मण्डल द्वारा जनकुपुरा , नाकोड़ा नगर क्षेत्र में भ्रमण कर सोमयज्ञ में श्रद्धालुओं से जोड़ों के रूप में बैठने का अनुरोध करते हुए उनकी रसीदें बनाई।

श्रीमती नीता चौबे संध्या शर्मा और संगीता मंडोवरा ने घर-घर संपर्क करते हुए अपनी सेवाएं दी। उल्लेखनीय है कि आगामी 13 से 18 अप्रैल 6 दिनों तक नगर के मध्य काल खेत मैदान में पुष्टिमार्ग की पद्धति से श्री सोम यज्ञ का विराट आयोजन होने जा रहा है जिसमें प्रतिदिन 21 वेदियों पर चार पालियों में यज्ञ होगा प्रत्येक विधि पर चार जोडे बैठेंगे मुख्य जजमान जोड़ा घी की आहुति देगा और शेष तीन जोडे संविदा की आहुति प्रदान करेंगे। नगर में पहली बार पुष्टिमार्गीय विधि से होने वाले इस सोम यज्ञ में वैष्णवाचार्य पद्म भूषण गोस्वामी श्री गोकुलोत्सव जी महाराज सानिध्य प्रदान करेंगे। मुख्य आचार्य वैष्णवाचार्य गोस्वामी श्री ब्रजोत्सव जी महाराज होंगे।तेलंगाना के 20 विधि विद्वान ब्राह्मण आचार्य यज्ञ की विधि को संपन्न करेंगे। सोमयज्ञ सभी यज्ञों में सबसे बड़ा यज्ञ है। इस यज्ञ में बैठने वाले श्रद्धालुओं की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। उनके जीवन के सारे कष्टदूर होते हैं। सोमयज्ञ प्रारब्ध बदल देता है। इस महत्वपूर्ण विराट अनुष्ठान में अधिक से अधिक श्रद्धालु जोड़े बैठें यह आव्हान किया गया है ताकि यज्ञ का लाभ सभी को प्राप्त हो। यह जानकारी जीतू पारिख ने दी।

शासकीय स्वशासी महाविद्यालय में कार्यरत चिकित्सा शिक्षकों के लिए पारित पै प्रोटेक्शन बिल में है कई विसंगतियां

मंदसौर, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। प्रोग्रेसिव मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन ने शासकीय स्वशासी महाविद्यालय में कार्यरत चिकित्सा शिक्षकों के लिए पारित पै प्रोटेक्शन बिल के प्रति विरोध प्रकट किया है।

प्रोग्रेसिव मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन मंदसौर के अध्यक्ष सौरभ जैन एवं डॉ. ईशांत चौरसिया ने बताया कि 12 मार्च 2025 को कैबिनेट में लोक स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के शासकीय स्वशासी महाविद्यालय में कार्यरत चिकित्सा शिक्षकों के लिए पारित पै प्रोटेक्शन बिल जिसमे स्वशासी/शासकीय से सिर्फ शासकीय मेडिकल कॉलेज में आए चिकित्सा शिक्षकों की नई नियुक्ति में सिर्फ पे-प्रोटेक्शन ही लाभ प्राप्त होगा। चिकित्सा शिक्षकों को वित्त विभाग के 1972 के आदेश एवं प्रदेश के समस्त विभागों में लागू समान सर्विस प्रोटेक्शन का लाभ नहीं मिलेगा। पूर्व सेवा पेंशन के लिए मान्य नहीं होगी अर्थात भविष्य में यूपीएस के लाभ से वंचित होना होगा। भविष्य में पदोन्नति के प्रारंभ होने पर उच्च पद के लिए पूर्व सेवा की गणना नही होगी। डीएसीपी का लाभ देने के लिए स्वशासी संस्था की पूर्व सेवा को नही जोड़ा जाएगा।. लीव एनकैशमेंट का लाभ नहीं मिलेगा। पूर्व की सेवा का लाभ नहीं मिलने से ग्रेजुएटी से वंचित होंगे। स्वशासी से किसी अन्य स्वशासी संस्था में नियुक्ति पर कोई लाभ नहीं मिलेगा। कोई वरिष्ठता नहीं। प्रोग्रेसिव मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन ने बताया कि मध्यप्रदेश में सभी शासकीय एवं स्वशासी मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा शिक्षकों की भारी कमी है एवं नए चिकित्सा महाविद्यालय में चिकित्सा शिक्षक नहीं आ रहे हैं एसोसिएशन ने प्रदेश के हित में चिकित्सकों की कमी को भरने के उद्देश्य से शासन से यह निवेदन किया था पर इस तरह अपूर्ण के आदेश से ये चिकित्सकों को लाभ के बजाए चिकित्सा शिक्षकों का नुक़सान होगा और प्रदेश की स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा की व्यवस्था और ख़राब होगी। इसलिये प्रोग्रेसिव मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन इस अपूर्ण पै प्रोटेक्शन का पूर्ण विरोध करती है।

भारत विकास परिषद उत्कृष्टकार्यों के लिए सम्मानित

मंदसौर, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। भारत विकास परिषद मध्य भारत पश्चिमी प्रांत का प्रांतीय अधिवेशन आगर मालवा में संपन्न हुआ उक्त कार्यक्रम में समाज सेवा में अग्रणी भारत विकास परिषद्, मंदसौर शाखा को उत्कृष्टसेवा गतिविधियों और रक्तदान में योगदान के लिए रीजनल व प्रांत पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया। प्रांतीय महासचिव श्री घनश्याम पोरवाल ने कहा कि मध्य भारत पश्चिम प्रांत की प्रांतीय परिषद् की बैठक में मंदसौर शाखा को सेवा कार्यों में उत्कृष्टप्रदर्शन के लिए एवं सर्वश्रेष्ठ प्रांतीय कार्यक्रम आयोजन के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर संपर्क प्रमुख श्री जगदीश काला द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में भारत विकास परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष प्रदीप चौपड़ा, नैशनल प्रोजेक्ट मेंबर श्रीमती रेखा पोरवाल,महिला प्रमुख श्री मती अर्चना गुप्ता,जगदीश काला सहित परिषद के कई सदस्य उपस्थित थे।

श्री प्रेमप्रकाश आश्रम में प्रेम व श्रद्धा के साथ मनाया फागोत्सव

मंदसौर, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। श्री प्रेमप्रकाश आश्रम मंदसौर स्थित भगवान श्री लक्ष्मीनारायण एवं सतगुरू स्वामी टेऊँरामजी महाराज मंदिर में हर्षोल्लास के साथ फागोत्सव सन्त श्री शंभुलालजी प्रेमप्रकाशी के पावन सानिध्य में सत्संग, प्रवचनों एवं गुलाब के फूलों की पंखुड़ियों व चंदन तिलक के साथ 12 मार्च बुधवार को बड़ी संख्या में पधारी संगत के साथ मनाया गया।

इस आशय की जानकारी देते हुए श्री प्रेम प्रकाश सेवा मण्डली के अध्यक्ष पुरूषोत्तम शिवानी ने बताया कि कि संत शंभुलाल ने अपने मुखारविन्द से भजनों के माध्यम से होली के त्यौहार कि महिमा को प्रतीपादित किया। व इस अवसर पर भजन संतो के संग होरी खेलों,पीवो प्रेम प्याला रे , मेरी किस्मत का सितारा, आपके हाथों में है, क्यूं करूं चिन्ता,फिक्र मैं जिन्दगी के खेल की, कौन जीता कौन हारा ,आपके हाथों में। प्रस्तुत किया। आप श्री ने कहा कि मनुष्य में कोई स्वयं की शक्ति नहीं है, इसलिए अपने आप को परमात्मा व सद्गुरु के चरणों में अर्पित कर देना चाहिए, न जीत न हार आपके हाथों में है यहां तक की स्वयं का देवभूत शरीर भी हमारे हाथों में नहीं हैं। हमें तो अपने जीवन को समर्पित कर प्रभु व सद्गुरु कि खुशियां हासिल करना चाहिए। इस पावन अवसर पर पलक बाबानी, पाखी व पार्थ बाबानी सहित नन्हे मुन्ने बच्चों ने राधा कृष्ण का सुन्दर व मनमोहक धारण कर नृत्य प्रस्तुत किया। गुलाब की सुगन्धित पंखुड़ियों के साथ भजनों की मधुर धुनों पर उपस्थित संगत थिरकते हुए नृत्य कर होली के रंग प्यारे गुरूदेव के संग मनाकर फाग महोत्सव का यह महापर्व संत श्री ने पल्लव पाकर समाप्त किया। आभार प्रदर्शन महिला मण्डली की सपना-डॉ. सुरेश पमनानी एवं डिम्पल ब्रिजवानी ने माना। अंत में सिन्धी समाज ने होली का प्रसाद ग्रहण कर उपस्थित संगत एक दूसरे को बधाई देकर हर्षोल्लास के साथ फाग महोत्सव सम्पन्न हुआ।

वर्ल्ड स्लीपिंग डे विशेष ....

सोना कितना सोना है....!!!

मंदसौर, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। रोजमर्रा की आपाधापी में जिस तरह की जीवन शैली आम आदमी चाहे-अनचाहे अपनाता जा रहा है वो उसके लिए सुखद नहीं है। अनेक प्रकार की व्यक्तिगत आदतें और कार्यशैली, व्यक्ति की मानसिक स्थिति को प्रभावित करती है और उसी स्थिति को प्रभावित करने वाला सबसे बड़ा एक कारण है अनिद्रा अर्थात नींद की कमी का होना।

अंतरराष्ट्रीय स्लीप फाउंडेशन के मुताबिक, 4 से 12 महीने के बच्चे को कम से 12 से 16 घंटा सोना जरूरी होता है जबकि 1 से 2 साल के बच्चे के लिए 11 से 14 घंटे सोना जरूरी है, जब बच्चा प्रीनर्सरी में जाने लगता है यानी 3 से 5 साल की उम्र में होता है तो उसे 11 से 14 घंटे सोना जरूरी है जबकि 6 से 12 साल के बच्चे को 9 से 12 घंटे, जब बच्चे टीन एज में आ जाते हैं तो उन्हें 8 से 10 घंटा सोना चाहिए, जबकि 18 साल के बाद कम से कम 7 घंटा सोना जरूरी होता है. जबकि 60 साल से अधिक उम्र के लोगों को भी 7 से 8 घंटा सोना जरूरी है। वर्तमान समय में नींद की कमी के कारण मानसिक तनाव, एंजाइटी, चिड़चिड़ापन, व्यवहारिक परिवर्तन आदि लक्षण स्वत: दिखने लगते है, जिसके कारण से किसी भी व्यक्ति का मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है। अधिकांश युवा जो किसी काल सेंटर में रात के समय काम करते है उनकी बायलॉजिकल क्लॉक प्रभावित होती है, और दिमागी सोच में परिवर्तन होने लगता है। जो लोग लेट नाइट पार्टी के आदि होते है वो लोग भी कम नींद के शिकार होते है। साथ ही ऐसे लोग जो ज्यादा मात्रा में शराब , सिगरेट, कॉफी या किसी अन्य मादक प्रदार्थ का सेवन करते है ऐसे लोग बड़ी जल्दी इन्सोम्निया बीमारी का शिकार बनते है। बराबर नींद ना लेने से कई बार लोग वाहन चलाते हुए झपकी लेने लगते है जो भीषण दुर्घटना को आमंत्रण होता है और सिर्फ एक झपकी में सब कुछ बदल जाता है। अधिकांश लोगों को नींद लेने के लिए कई बार दवाइयां भी दी जाती है ताकि तो बिना किसी अवरोध के एक आराम दायक नींद ले सके किंतु यह तरीका हमेशा कारगर नहीं होता बल्कि इसकी भी कभी कभी एक आदत सी हो जाती है और व्यक्ति इसका आदि हो जाता है। आज वैश्विक स्तर पर आपको बेहतर नींद आ जाए इसके लिए आरामदायक बिस्तर, नर्म तकिए, म्यूज़िकल गैजेट, मोबाइल ऐप ट्रेकर, स्मार्ट वाच ट्रेकर, स्लीपिंग बॉक्स और भी काफी चीजें बिकती है। इस तरह की भौतिक वस्तुओं का मार्किट लगभग 48 लाख करोड़ का है। जो कि यह बताता है कि आपकी नींद भी लाखों करोड़ों का सौदा है। बेहतर नींद के लिए क्या करें। सोने से पहले ज्यादा मात्रा में पेय पदार्थ ना ले। बिस्तर पर लेटने के बाद किसी भी गैजेट का प्रयोग ना करें विशेषकर मोबाइल का। किसी पसंदीदा पुस्तक को पढ़ने की आदत डालिए। मनपसंद संगीत को सुनिए। कमरे की रोशनी को मद्धम रखिए। अनावश्यक शोर या तेज आवाज से बचिए। याद रखे कि एक बेहतर स्वास्थ्य के लिए सिर्फ भाग दौड़ ही नहीं बल्कि एक स्वस्थ्य नींद भी आवश्यक है।

डॉ हिमांशु यजुर्वेदी
मनोचिकित्सक, मेंटर , अपराध विश्लेषक

कार्यालय नगर परिषद भानपुरा जिला मंदसौर मप्र

क्रमांक / 214/न.प./2025 भानपुरा दिनांक - 12.03.2025

भवन/भूमि स्वामियों का नाम परिवर्तन किये जाने के संबंध में सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि -नगर पालिका अधिनियम 1968 की धारा 150-151 के अंतर्गत इस कार्यालय मे निम्नानुसार आवेदन/ आवेदकगणो द्वारा नगर परिषद रिकार्ड में दर्ज निम्नानुसार आधारों पर गृह स्वामियो ने अपने नाम के सम्मुख दर्षित माध्यम अनुसार दर्ज किये जाने हेतु आवेदन (प्रकरण) प्रस्तुत किया है। परिवर्तन किये जाने में जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिवस में इस कार्यालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। अवधि समाप्त होने के उपरांत आवेदन/आवेदकगणो का नाम रजिस्टर हाउस में संबंधित गृह क्रमांक पर अंकित किया जावेगा और आपकी कोई आपत्ति मान्य नही होगी।

क्रं.	प्र.क्रं.	हस्तातरणकर्ता का नाम	हस्तांतरितती का नाम	हस्तांतरित की जाने वाली सम्पत्ति	आधार
1	31	चांदमल पिता लक्ष्मीनारायणजी	जितेन्द्र, धर्मेन्द्र, हरिओम पिता चांदमल पुष्पा पति लक्ष्मीनारायण सुंदरलाल कांतिबाई गोपीचंद्र, रेखाबाई, ललिता, राजीबाई, संगीता पिता लक्ष्मीनारायण	भवन क्रमांक 05 रामपुरा गेट के अंदर वार्ड 03	वंशानुक्रम
2	32	दिनेशकुमार मदनलाल	यशोदा, दर्शना पति दिनेश मेघवाल	भवन क्रमांक 2671 पैकि लोटखेड़ी चौराहा वार्ड 01	विक्रय पत्र
3	33	अब्दुल हाफिज नीलगर पिता नबीनुरजी	अमन पिता सुरेन्द्र सोनी	भवन क्रमांक 529 लखारा गली वार्ड 04	विक्रय पत्र
4	34	शांतादेवी पति प्रेमराजजी राठौर	फूलचंद्र, धर्मेन्द्र पिता प्रेमराज राठौर	भवन क्रमांक 422 माली मंदिर गली वार्ड 03	वंशानुक्रम
5	35	गिरधारीलाल मांगीलालजी तंबोली	सौभाग्यबाई पति गिरधारीलाल, हुकुम, ललिता पिता गिरधारीलाल	भवन क्रमांक 110 कुम्हार मोहल्ला वार्ड 03	वंशानुक्रम
6	36	केसरीलाल हीरालालजी धोबी	दयावंति पति बलदेव	भवन क्रमांक 1716 कचहरी चौक वार्ड 12	विक्रय पत्र
7	37	केसरीलाल हीरालालजी धोबी	पुनम, कमलेश पिता कन्हैयालालजी	भवन क्रमांक 1656 कचहरी चौक वार्ड 12	वंशानुक्रम
8	38	आशाबाई मनोहरसिंह	सोनिया टोग्या पति परागजी टोग्या	भवन क्रमांक 234/2 झालावाड़ रोड वार्ड 03	विक्रय पत्र
9	39	कलावतीबाई शंकरलाल	गोपाल, भरत, दीपिका पिता शंकरलाल	भवन क्रमांक 1065 खटीक मोहल्ला वार्ड 07	वंशानुक्रम
10	40	मासुमबाई पति इमाम बक्स	असलम मंसूरी इमाम बक्स जी	भवन क्रमांक 554 तारवाली मस्जिद वार्ड 05	वंशानुक्रम

विनोद शिव भानपिया, अध्यक्ष, नगर परिषद भानपुरा — रेहाना डॉ. जाकिर, उपाध्यक्ष, नगर परिषद भानपुरा — मकसूद अंसारी, प्रभारी राजस्व, नगर परिषद भानपुरा — जितेन्द्रसिंह राणा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर परिषद भानपुरा

एक से अधिक बार गोवंश तस्करी में लिप्त आरोपी व वाहन मालिक के विरुद्ध रासुका के तहत कार्यवाही की जावे

विहिप गौरक्षा विभाग ने गोवंश रक्षण व संवर्धन को लेकर दिया ज्ञापन

मंदसौर, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। विश्व हिन्दू परिषद गौरक्षा विभाग जिला मंदसौर द्वारा मध्यप्रदेश में गोवंश रक्षण व संवर्धन को लेकर गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम एक ज्ञापन अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल को दिया गया। इस दौरान क्षेत्रीय गौरक्षा प्रमुख सोहन विश्वकर्मा, भगवानदास ज्ञानानी, जिला मंत्री हेमंत बुलचंदानी, अनिल धनगर, नटवरलाल पंवार, जिला गौरक्षा प्रमुख अमरदीप कुमावत, मनीष भाटी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे। क्षेत्रीय गौरक्षा प्रमुख सोहन विश्वकर्मा ने कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग से भी गौमाता के संरक्षण एवं संवर्धन के संबंध में चर्चा की।

दिये गये ज्ञापन में कहा कि गोरक्षा उठाये गये संकल्प का स्वागत है सरकार की मंशा के विरुद्ध गोवंश तस्करी में कमी नहीं आ रही है। इसके पीछे दलाल एवं मांस कारोबारियों का समूह सक्रिय है हाल ही में घटिया जिला उज्जैन में आरोपियों ने 2000 गोवंश को लोकल स्लाटर कर, लोकल मार्केट में बेचना स्वीकार किया है। आरोपी के विरुद्ध 24 आरोप पंजीबद्ध होने के बाद भी बेखौफ गौमाता का कत्ल किया जा रहा है। पूर्व में भी मन्दसौर जिले के रुणीजा में हुई गोवंश की हत्या में प्राप्त जानकारी के अनुसार आगर जिले के सुसनेर के गोमांस सप्लाई की जानकारी मिली थी। देवास, गहू, आगर उमरिया, इंदौर जैसे अनेक स्थानों पर गोमांस जप्त हुआ है। इसके पीछे बिचौलिया दलाल जैसा कि खण्डवा में गोवंश तस्करों से रूपये लेते हुए पुलिस जवानों का वीडियो वायरल हुआ है जिला प्रशासन ने सक्रियता दिखाते हुए उन्हे निलंबित भी किया है। गोवंश की तस्करी में मध्यप्रदेश सहित राजस्थान, गुजरात, यूपी से होकर महाराष्ट्र-छत्तीसगढ बॉर्डर पर बडे स्तर पर साप्ताहिक पशु हाट बाजार मेलो के माध्यम से किसानों के नाम से गरीब निर्धनों का उपयोग कर तस्करी की जा रही है। मेला हाट बाजारा तस्करों के इशारों पर संचालित हो रहे है कृपया ऐसे हाट बाजारों पर प्रतिबंध लगाया जाए या निगरानी समिति बनाकर तस्करों से गोवंश को बचाया जाए। मांग की कि पशु बाजार/मेले बद किये जाये, गोवंश तस्करी में उपयोग किये गये वाहन को आबकारी जैसे तुरंत राजसात किये जाए, जिस थाना क्षेत्र में गोवंश तस्करी होती है या गोवंश का वध हुआ पाया जाता है तो तुरंत थाना प्रभारी को निलंबित किया जाए, एक से अधिक बार गोवंश तस्करी में लिप्त आरोपी व वाहन मालिक के विरुद्ध रासुका के तहत कार्यवाही की जावे, 1962 संजीवनी पशु एम्बुलेंस का गोवंश के लिये 150 रु शुल्क से मुक्त रखा जाये। गौ तस्करी रोकने में बलिदान / अंग विहीन होने पर गौ भक्तों को गोसेवक सम्मान दिया जाए, परिवार के एक सदस्य को शासकीय नौकरी दी जाये। गोशालाओ को भूमि आवंटन प्रक्रिया सरल कर तुरन्त भूमि आवंटन की जाये। गोशालाओं को 5 हार्स पावर का विद्युत कनेक्शन मुफ्त दिया जाये, न जनभागीदारी से गोशालाओं निर्माण कार्य की अनुमति हो। स्वयंसेवी संस्थाओं को मनरेगा से मजदूर (सेवक) दिया जाये। गोचर भूमि उद्योग के लिए आवंटित नहीं की जाए और यदि की गई है तो उसे उद्योग से मुक्त कराकर गौ माता के लिए सुरक्षित रखी जाए गोचर भूमि पर अतिक्रमण हटाने के सरकार के आदेश के बाद भी गोचर भूमि पर अतिक्रमण लंबित है कृपया गोचर भूमि से अतिक्रमण हटाया जाये। गोशालाओं द्वारा निर्मित वर्मी कम्पोस्ट, किट नियंत्रक को फर्टिलाइजर एक्ट से बाहर किया जाये। गोशालाओ द्वारा निर्मित वर्मी कम्पोस्ट, किट नियंत्रक को शासन खरीद कर सहकारी संस्थाओं के माध्यम से बिक्री करे। गौ उत्पाद को टैक्स मुक्त किया जाये। पशु जाँच चौकियां स्थापित की जाए। गोसमाधी स्थल का चयन कर सुरक्षित की जाये। प्रदेश में नवनिर्मित मनरेगा गौशाला को पूर्ण कर गोवंश रखा जाऐ ताकि बारिश में गोवंश सुरक्षित रह सकें। प्रत्येक गोपालक, जो कि घर में गौमाता की सेवा करता है, उसे प्रति गाय के हिसाब से प्रतिमाह 1200 रूपये गोवंदन राशि जल्दी शुरू की जाये। गोवंश/पशुधन के उपयोगी घास भूसा जिले एवं प्रदेश के बाहर जाने पर प्रतिबंध लगाया जाय। घास/भूसा की जमाखोरी बंद हो। हारवेस्टर के उपयोग के बाद मशीन से भूसा बनाना अनिवार्य करे। निरवाई के जलने पर सख्त कार्यवाही की जाये। कानून का पालन सख्ती से किया जाए। सिंगल यूज पॉलीथिन का उपयोग बंद हो। कानून का पालन सख्ती से किया जाय। मंदिरो में भगवान को चढने वाले प्रशाद पोलेथीन, प्लास्टिक कोटेड की पेकिंग पर रोक लगाई जाय। भोजन भण्डारे में पॉलिथीन, डिस्पोजल प्लास्टिक कोटेड पत्तल दोने पर प्रतिबंध लगाया जाय। मनरेगा द्वारा संचालित गौशालाओं को अनुभव संस्थाओं द्वारा संचालित कराई जाय। आपके द्वारा 7 मार्च 2024 प्रति गोवंश 40 रूपये अनुदान की घोषणा की गई जी गोशालाओं को अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। बियर चापड के नाम से शराब अल्कोहल फैक्ट्री से बचा वेस्ट गोवंश तथा दुधारू पशुओं को खिला रहे है जिससे दूध तो बढता है पर गोवंश सहित दुधारू पशुओं को आने वाले समय में स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पडेगा इसकी जांच करवा कर बंद करवाना चाहिए। विशेष तौर पर कहा कि मंदसौर नगर की स्थानीय गौशाला में फंड की कोई कमी नहीं है गौशाला के फंड से दुकाने बनाई जा रही है जिससे गौशाला में अवक बढती है पर यहां गौ माता के लिए पानी व चद्दर सेट की व्यवस्था नहीं है जिनके कारण गाय को गर्मी और बारिश में परेशानी आती है कृपया करके गौशाला में चद्दर सेट व पानी की पर्याप्त व्यवस्था की जावे। उक्त जानकारी जिला गौरक्षा प्रमुख अमरदीप कुमावत ने दी।

पाकिस्तानी प्लेयर्स की इंग्लैंड में बेइज्जती...

द हंड्रेड में अनसोल्ड रह गए सभी 50 खिलाड़ी

लाहौर, 13 मार्च। अपनी ही मेजबानी में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में बुरी तरह से शर्मसार होने के बाद पाकिस्तान प्लेयर्स की अब इंग्लैंड की धरती पर घनघोर बेइज्जती हुई है। द हंड्रेड टूर्नामेंट के लिए कुल 50 पाकिस्तानी खिलाडियों ने रजिस्टर किया था। हालांकि, पाकिस्तान के एक भी खिलाडी को लेने में किसी भी टीम ने दिलचस्पी तक नहीं दिखाई। पचास प्लेयर्स में से 45 मेंस और 5 महिला क्रिकेटर्स थीं। इन खिलाडियों में नसीम शाह, इमाद वसीम और सैम अयूब जैसे धाकड प्लेयर्स भी शुमार थे।

पाकिस्तानी प्लेयर्स रहे अनसोल्ड–द हंड्रेड में रजिस्टर होने वाले पाकिस्तान के 50 खिलाडी अनसोल्ड रहे हैं। पाकिस्तान की ओर से नसीम शाह का रिजर्व प्राइस सबसे ज्यादा लगभग 1।35 करोड था। हालांकि, नसीम को भी लेने में किसी भी टीम ने कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। मोहम्मद अब्बास, हैदर अली, शादाब खान, हसन अली जैसे प्लेयर्स भी नहीं बिके। पांच महिला क्रिकेटर्स ने भी अपना नाम दिया था, लेकिन इन्हें भी कोई खरीदार नहीं मिल सका। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, द हंड्रेड टूर्नामेंट में कई आईपीएल फ्रेंचाइजी की हिस्सेदारी है और शायद इसी वजह से पाकिस्तान के खिलाडी अनसोल्ड रहे। बता दें कि भारत-पाकिस्तान के बिगडे राजनीतिक माहौल के चलते पडोसी मुल्क के प्लेयर्स का आईपीएल में खेलना बैन है। पाकिस्तानी प्लेयर्स आखिरी बार आईपीएल में साल 2008 में खेलते हुए दिखाई दिए थे।

चैंपियंस ट्रॉफी में औंधे मुंह गिरी मेजबान टीम–अपनी ही मेजबानी में पाकिस्तान का प्रदर्शन चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में बेहद शर्मनाक रहा। टीम ग्रुप स्टेज के आगे नहीं बढ सकी। पाकिस्तान को टूर्नामेंट में एक जीत तक नसीब नहीं हुई। पहले मैच में टीम को न्यूजीलैंड ने धोया, तो दूसरे मुकाबले में टीम इंडिया ने मोहम्मद रिजवान की सेना को चारों खाने चित कर डाला था। वहीं, बांग्लादेश के खिलाफ टीम का आखिरी मुकाबला बारिश की भेंट चढ गया था। पाकिस्तान का टूर्नामेंट से सिर्फ चार दिन में बोरिया-बिस्तर पैक हो गया था।

विकसित भारत युवा संसद के लिए एनएसएस स्वयंसेवकों ने एक मिनट की रील बनाकर किया प्रेरित

जिला स्तरीय विकसित भारत युवा संसद का आयोजन नीमच के सीताराम जाजू कन्या महाविद्यालय में होगा

मंदसौर, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मंदसौर के प्राचार्य डॉ. जे.एस. दुबे ने बताया कि जिला स्तरीय विकसित भारत युवा संसद का आयोजन नीमच एवं मंदसौर जिले के लिए श्री सीताराम जाजू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में किया जा रहा है। विकसित भारत युवा संसद 2025 कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को संसद की कार्यप्रणाली से जोडना और उनमें नेतृत्व कौशल का विकास करना है।

एनएसएस जिला संगठक डॉ. के. आर. सूर्यवंशी ने बताया कि युवाओं की आवाज को राष्ट्रीय चर्चाओं में सक्रिय रूप से शामिल करने के उद्देश्य से विकसित भारत युवा संसद 2025 का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल के माध्यम से युवा सार्वजनिक मुद्दों में भागीदारी कर भारत की जडों को मजबूत बनाएंगे और विकसित भारत के सपने को साकार करेंगे। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल कुमार आर्य ने महाविद्यालय की छात्राओं को माय भारत पोर्टल पर वीडियो अपलोड करने की प्रक्रिया समझाई। उन्होंने सभी छात्राओं को इस कार्यक्रम में भागीदारी के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर एनएसएस स्वयंसेवकों — देवांशु नलवाया, प्रखर दुबे, विनय शर्मा और जयप्रकाशिक नागवार ने 'विकसित भारत आपके लिए क्या मायने रखता है' इस विषय पर अपनी एक मिनट की रील बनाकर माय भारत पोर्टल पर अपलोड की और अन्य विद्यार्थियों को भी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। डॉ. आर्य ने बताया कि जिला स्तरीय चयन के लिए 18 से 25 वर्ष के युवाओं को सर्वप्रथम माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण करना अनिवार्य है। इसके बाद उन्हें नोडल जिला नीमच का चयन कर यूथ पार्लियामेंट इवेंट के अंतर्गत 'विकसित भारत आपकी दृष्टिमें' विषय पर अपना एक मिनट का वीडियो 16 मार्च तक अपलोड करना होगा। प्रतिभागी वीडियो बनाने संबंधी दिशा - निर्देश माय भारत पोर्टल पर देख सकते हैं। इसके पश्चात महाविद्यालय द्वारा 17 मार्च तक स्क्रूटनी की जाएगी, जिसके बाद 150 अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थी जिला स्तरीय कार्यक्रम में 'एक देश, एक चुनाव' विषय पर तीन मिनट का भाषण देंगे। इसके आधार पर श्रेष्ठ 10 अभ्यर्थियों का चयन राज्य स्तरीय विधानसभा के लिए किया जाएगा।

अनियंत्रित ट्रैक्टर ने खाट पर बैठे व्यक्ति को कुचला, मौत

परिजनों ने ट्रैक्टर मालिक के घर के बाहर किया प्रदर्शन

मनासा, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कुकडेश्वर थाना क्षेत्र के ग्राम साकरिया खेड़ी में एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर घर की दीवार में जा घुसा। हादसे में घर के बाहर खाट पर बैठे मानसिंह बंजारा उम्र 50 वर्ष की मौके पर मौत हो गई। घटना बुधवार रात तकरीबन 09 बजे की है।

घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। परिजनों और ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस और 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। घायल को मनासा के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद ट्रैक्टर ड्राइवर मौके से फरार हो गया। मृतक के परिजनों ने आरोपी ट्रैक्टर मालिक के घर के बाहर शव को जलाने की धमकी दी, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। मनासा एसडीओपी विमलेश उइके ने बताया कि मृतक का पोस्टमार्टम कराया गया है। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फरार ड्राइवर के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी हुई है।

पूर्व विधायक पहुंचे घटनास्थल, मृतकों को आर्थिक सहायता के लिए लिखा पत्र

मंदसौर, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। उज्जैन-बदनावर फोरलेन सडक मार्ग पर दर्दनाक सडक दुर्घटना में मंदसौर के तीन युवाओं समेत आठ लोगों की मौत होने पर मंदसौर के पूर्व विधायक एवं भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता यशपालसिंह सिसोदिया गुरूवार की सुबह घटनास्थल पर पहुंचे और दुर्घटना के कारणों को जाना। उन्होंने मंदसौर कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग को पत्र लिखकर मंदसौर के तीनों मृतक के परिजनों को मुख्यमंत्री दुर्घटना सहायता योजना के माध्यम से 4-4 लाख की आर्थिक सहायता दिऐ जाने की मांग की।

पूर्व विधायक श्री सिसोदिया ने कलेक्टर को लिखे पत्र में कहा कि 12 मार्च को उज्जैन -बदनावर फोरलेन सडक मार्ग पर लापरवाहीं पूर्वक एवं विपतिर दिशा से आ रहे ट्रक से दो वाहन क्षतिग्रसत हो गये, जिसमें 8 व्यक्तियों की अकाल मृत्यु हो गई। 13 मार्च की सुबह 10 बजे मैने स्वयं उस स्थल को देखा जहां यह दुर्घटना हुई। उक्त दुर्घटना में पुरी गलती ट्रक वाहन चालक की थी जिसके कारण से यह विभत्स घटना घटी। मृतकों में मंदसौर के गिरधारीलाल माखिजा, चेतन बघेरवाल तथा विरम धनगर निवासी कोटडा बहादूर शामिल है। मुख्यमंत्री दुर्घटना सहायता योजना के अंतर्गत मृतक के परिजनों को 4-4 लाख रूपऐ की सहायता राशि स्वीकृत कराने की अनुशंसा की जावे।

चिल्लोद पिपलिया में जन अभियान परिषद बैठक सम्पन्न

पिपलियामंडी, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मप्र जन अभियान परिषद योजना अन्तर्गत विकासखंड मल्हारगढ के ग्राम चिल्लोद पिपलिया बालाजी मंदिर परिसर पर बैठक का आयोजन किया गया। विकासखंड समन्वयक अर्चना भट्ट ने आदर्श ग्राम के साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, उर्जा संरक्षण, जन सूचना केंद्र एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी। इस अवसर पर ग्राम में संस्कार केन्द्र संचालन व आदर्श ग्राम समिति को ग्राम विकास के कार्य सौंपे गए। साथ ही आदर्श ग्राम के उद्देश्यों पर भी प्रकाश डाला। अखिल विश्व गायत्री परिवार तहसील समन्वयक इंद्रजीत भट्ट ने बताया ग्राम को संस्कारवान, नशामुक्त और विवादमुक्त ग्राम बनाने हेतु गायत्री महायज्ञ व संस्कारो से एक संस्कारित पीढी की शुरुआत होती है, पाश्चात्य संस्कृति को त्याग कर जन्मदिन एवं अन्य विशेष दिनों में दीपक व पौधे लगाकर यज्ञ हवन कर जन्मदिन मनाया जाए। ग्रामवासियों ने इस माह पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ करने, संस्कारवान पीढी हेतु संस्कार केंद्र स्थापना हेतु योजना बनाई व स्वच्छता की शपथ ली। सरपंच दीपक शर्मा, सचिव जगदीश नागदा, सहायक सचिव सुनील पारीदार, पूर्व जनपद सदस्य दशरथ पाटीदार, बालाराम पाटीदार, भागीरथ पाटीदार, विजय बैरागी, भागीरथ पाटीदार, बालमुकुंद मालवीय, जितेंद्रकुमार शर्मा, भारतसिंह चौहान, मन्नालाल शर्मा, मुकेश शर्मा, लखन शर्मा, राहुल टेलर, अशोक शर्मा, लक्ष्मीनारायण पाटीदार, श्यामलाल पाटीदार, रामप्रसाद बैरागी, राजेन्द्र पाटीदार, मूलचंद्र पाटीदार, बापूलाल खारोल, धर्मेंद्र शर्मा, चेनराम पाटीदार, इंदरमल कोटवार, अनिल व्यास, जगदीश टेलर आदि उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा दो संस्थाओं की जांच

नीमच, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं एसडीएम श्री संजीव साहू के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा गुरुवार को नीमच स्थित 2 फर्मो की आकस्मिक जांच की गई और मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा फर्म माहेश्वरी इंडस्ट्रीज संत फ्रांसिस स्कूल के सामने गिरदोडा, मनासा रोड नीमच तथा फर्म छाजेड सेल्स कॉरपोरेशन स्कीम नंबर 36 बी नीमच का निरीक्षण किया गया। फर्म माहेश्वरी इंडस्ट्रीज संत फ्रांसिस स्कूल के सामने गिरदोडा मनासा रोड नीमच से एक नमूना एम आई गोल्ड रिफाइंड सोयाबीन ऑयल व फर्म छाजेड सेल्स कॉरपोरेशन स्कीम नंबर 36 बी नीमच से एक नमूना सोयम लाइट रिफाइंड सोया ऑयल पैक का लिया गया। जिनको जांच हेतु प्रयोगशाला को भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार कार्यवाही ही जाएगी इस तरह की कार्यवाही जिले में निरन्तर जारी रहेगी। यह जानकारी खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री यशवंत कुमार शर्मा ने दी।

3 माह में सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों का प्रशिक्षण 24 को

मंदसौर, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल द्वारा बताया गया कि संचालनालय पेंशन भविष्य निधी एंव बीमा म.प्र. भोपाल निर्देशानुसार द्वारा आगामी 03 माह में सेवा निवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों का IFMIS साफ्टवेयर पर पेंशन प्रकरण तैयार करने के संबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रम ई-दक्ष केन्द्र बुनियादी प्रशिक्षण संस्थान मंदसौर में 24 मार्च 2025 को दोपहर 1 बजे आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण में माह अप्रेल 2025 से जून 2025 तक सेवा निवृत्त होने वाले शासकीय सेवको एंव संबंधित कार्यालय के पेंशन शाखा प्रभारी को IFMIS PENSION MOUDLES के समस्त गतिविधियों के संबंध में प्रशिक्षण दिया जावेगा।

मंडी प्रांगण में विक्रय हेतु रखी फसलों और किसानों के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी तय करें सरकार-विधायक जैन

मंदसौर, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिले सहित प्रदेश की सभी मंडियो में किसानो की विक्रय हेतु रखी फसलों पर बेमौसम वर्षा, प्राकृतिक आपदा से किसानों की फसलों के भीगने, खराब होने पर किसानों की फसलों को मुआवजा प्रदाय किए जाने के संबंध में क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक विपिन जैन द्वारा विधानसभा में ताराअंकित प्रश्न के माध्यम से जानकारी चाहि गई उत्तर में किसान कल्याण कृषि मंत्री एंदल सिंह कंसाना ने बताया कि मंडी प्रांगण में विक्रय हेतु रखी अधिसूचित कृषि उपज की सुरक्षा की जिम्मेदारी मंडी समिति की है परंतु कृषि उपज मंडी अधिनियम 1972 के अंतर्गत मुआवजा प्रावधान किए जाने का प्रावधान नहीं है इस पर विधायक विपिन जैन द्वारा मांग की गई है कि जब मंडी में फसल सुरक्षा की जिम्मेदारी मंडी समिति की है तो फिर मुआवजा प्रदाय किया जाना चाहिए इस संबंध में मंडी अधिनियम 1972 में प्रावधान कर किसानों को राहत प्रदाय किया जाना चाहिए वही मध्य प्रदेश की बडी मंडियो में विपिन जैन द्वारा छोटे स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण किए जाने की भी मांग की गई है ज्ञात हो कि किसानों को अपनी फसल ठंड और गर्मी में बेचने हेतु मंडी आना पडता है ऐसे में दो-दो तीन-तीन दिन तक उसे मंडी में रुकना पडता है तो उसके स्वास्थ्य की देखभाल की जिम्मेदारी भी मंडी समिति की होना चाहिए।

साठीया समुदाय के पुनर्विस्थापन पर फिर वही गोलमोल जवाब–वही मंदसौर शहर के रिहायशी इलाके में स्थित कालाखेत शॉपिंग काम्प्लेक्स पर साठिया समुदाय के द्वारा दुकानों पर किए गए अतिक्रमण को मुक्त करने के संबंध में पुन: ताराअंकित प्रश्न के माध्यम से विधानसभा में जानकारी विपिन जैन द्वारा मांगी गई हर बार की तरह यही उत्तर दिया गया कि शीघ्र ही कार्यवाही की जाएगी परंतु कब यह निश्चित नहीं किया जा रहा है जिससे वहां स्थित आसपास के नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड रहा है श्री जैन द्वारा मांग की गई है कि शीघ्र ही कालाखेत स्थित शॉपिंग काम्पलेक्स से अतिक्रमण को हटाने के लिए कमेटी का गठन कर उचित कदम लिया जाना चाहिऐं

जिला सैनिक कल्याण बोर्ड की बैठक के लिए सुझाव कल तक देवे

मंदसौर, 13 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ग्रुप कैप्टेन श्री संजय दिक्षित द्वारा बताया गया कि सभी पूर्व सैनिकों, वीरनारियों, विधवाओं और आश्रितों को सूचित कियाजाता है कि सैनिक कल्याण के लिए एजेंडा, पॉइंट, सुझाव, समस्याएं (जिनका कलेक्टर केस्तर पर निराकरण लायक हो) को जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में 15 मार्च तक लिखित मेंव्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर, पोस्ट या ईमेल करके पहुंचा सकते है। ताकि निराकरण हेतुउन्हे जिला सैनिक कल्याण बोर्ड की तिमाही बैठक की कार्यवाही में सम्मिलित किया जा सकें।

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर

नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी संजीत मार्ग मंदसौर स्थित भवन क्रमांक LIG.A-47 जो श्री शिवप्रसाद आचार्य पिता श्री भंवरलाल आचार्य को मण्डल आदेश क्रमांक 6886 दिनांक 10.08.1983 द्वारा आवंटित किया गया था। उक्त भवन का विक्रय विलेख दिनांक 02.03.2000 एवं लीज नवीनीकरण दिनांक 27.07.2022 को उप-पंजीयक कार्यालय में पंजीयन निष्पादित करवाया गया था। श्री शिवप्रसाद आचार्य पिता श्री भंवरलाल आचार्य का स्वर्गवास दिनांक 19.02.2024 को हो जाने से इनके पुत्र श्री अविनाश आचार्य पिंता स्व. श्री शिवप्रसाद आचार्य अपनी माता श्रीमती शकुन्तला आचार्य पति स्व. श्री शिवप्रसाद आचार्य एवं बहन श्रीमती भारती ओझा पति श्री जितेन्द्र ओझा की सहमति प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर उक्त भवन का नामांतरण श्री अविनाश आचार्य पिता श्री शिवप्रसाद आचार्य अपने नाम करवाना चाहते है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर भवन का नामान्तरण श्री अविनाश आचार्य पिता स्व. श्री शिवप्रसाद आचार्य के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा आपत्ति उर्ज मान्य नही होगा।

(रिपुदमन सिंह चंद्रावत)सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास
मंडल मंदसौर (मप्र)

न्यायालय तहसीलदार तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर (म.प्र.)

फोन नं.-07424-248579 ई-मेल-tehmalhargarh@gmail.com
क्रमांक/ /अ-20(3)/2024-25 ईश्यू नम्बर-261/रीडर-1/2025
मल्हारगढ़, दिनांक-10.03.2025

महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, मंदसौर.... आवेदक
विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन.....अनावेदक

✲ सार्वजनिक सूचना/विज्ञप्ति ✲

सर्वसाधारण एवं जनता ग्राम मल्हारगढ तहसील मल्हारगढ़ को यह सूचित किया जाता है कि आवेदक महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र मंदसौर द्वारा ग्राम मल्हारगढ तहसील मल्हारगढ़ के सर्वे क्रं. 1450 रकबा 3.7310 हे. भूमि मे क्लस्टर विकास/मध्यम उद्योग हेतु भूमि आबंटित करने के लिए आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय जिला मन्दसौर को प्रस्तुत किया गया जो उपखण्ड अधिकारी के माध्यम से जांच प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ। जिस पर भूमि आवंटन संबंधी प्रकरण इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है।

अत: आवेदक महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र मंदसौर, जिला मन्दसौर द्वारा ग्राम मल्हारगढ़ तहसील मल्हारगढ़ के सर्वे क्रं. 1450 रकबा 3.7310 हे. भूमि मे क्लस्टर विकास/मध्यम उद्योग के लिए जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह इस विज्ञप्ति के जारी होने के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अथवा प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 27/03/2025 को स्वयं अथवा किसी वैद्य प्रतिनिधि के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। नियत समयावधि के उपरांत प्रस्तुत की गई किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। सर्व संबंधित सूचित हो।

आज दिनांक 10/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से उक्त विज्ञप्ति जारी की गई।

दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

तहसीलदार
तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर (म.प्र.)

G-24303/24

इंदौर के मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर
त्वचा रोग विशेष एवं डर्मेटोलेजर सर्जन

डॉ. परीक्षित शर्मा

एम.डी. (स्कीन)

शनिवार दिनांक 15 मार्च को शाम 5 से रात 8 और रविवार 16 मार्च को सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।

सुविधाएं-✲ चेहरे के कील-मुहासे, चोट व चेहरे के निशान, ऑखों के नीचे कालापन, चेहरे व हाथों का कालापन, ✲ एक्जीमा, सोरियासिस, सफेद दाग का इलाज व सर्जरी, ✲ शरीर पर तिल व मस्सों (Warts) को मशीन द्वारा हटाना, ✲ गर्भावस्था में होने वाले स्ट्रेचमार्क्स की चिकित्सा, ✲ असमय झड़ते बालों का आधुनिक पद्धति से ईलाज, ✲ शरी पर टेटू (गोदना) को मशीन द्वारा हटाना, ✲ लेजर मशीन द्वारा अनचाहे बालों से छुटकारा, ✲ बच्चों व बुजुर्गों की त्वचा संबंधित समस्याएं, ✲ नाखुन में होने वाले रोगों का उपचार, ✲ सौन्दर्य परामर्श (Cosmetic Consultation)

करजूवाला कम्पाउण्ड, पमनानी हॉस्पिटल के पीछे, स्टेशन रोड़, मंदसौर सम्पर्क-9424813088

राजकुमार गुप्ता, एडव्होकेट

कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com
क्रमांक 128/2025 दिनांक 12.03.2025

✲✲✲ जाहिर सूचना ✲✲✲

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा अंबाराम पिता रामलाल परमार, जाति-बलाई, निवासी ग्राम बापच्या, तहसील-सीतामऊ, जिला-मन्दसौर से आवासीय भूखंड जो भूमि सर्वे क्रमांक 280 (बी), भूखंड नं. 6 (पी), पटवारी हल्का नं. 00126 पर दर्ज होकर, पता-ग्राम-बापच्या, तहसील-सीतामऊ, जिला-मन्दसौर उनके हक और हिस्से का स्वत्व: त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग विलेख ई-पंजीकरण क्र. MP15IGR17852025100142600, दिनांक 09.03.2025 से मेरे पक्षकार आनंदीबाई पति अंबाराम परमार, निवासी ग्राम बापच्या, तहसील सीतामऊ, जिला-मन्दसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय सीतामऊमें करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है:-

पूर्व में- रामपाल पिता शिवराजसिंह की भूमि, पश्चिम में-कैलाश पिता रामलाल जी परमार का मकान, उत्तर में-रास्ता, दक्षिण में-गली। पैमाईश रकबा 101.5 वर्ग मीटर

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिवस से सात दिवस के अंदर कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करें वरना बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी जो सूचित हो।

भवदीय
राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in